प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-64 | मथुरा, बुधवार, 30 अप्रैल 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

वृंदावन में अक्षय तृतीया पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा

बांके बिहारी के दर पर उमड़ा श्रद्धा का सागर

सुबह चरण और सायं को सर्वांग दर्शन

भगवान भास्कर के तल्ख तेवर भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सके

डीएम और एसएसपी ने संभाली खुद कमान, करते रहे भ्रमण

प्रमुख संवाददाता

अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांके बिहारी महाराज के चरण दर्शन की झांकी। अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में चरण दर्शन करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांके बिहारी महाराज के अदभुत श्रृंगार ने श्रद्धालुओं पर जादू कर दिया। वह टकटकी लगाए अपने ठाकुर को निहारते रहे, मन कर रहा कि यहां से कहीं न जाएं। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की नजर सबसे पहले ठाकुर बांके बिहारी महाराज के चरणों पर थी। चरणों के दुर्लभ दर्शन कर मन से निकला, जय हो बांके बिहारी। मंदिर के पट खुलने के साथ ही श्रद्धालुओं के मन में सबसे पहले चरण दर्शन करने की अभिलाषा थी। इसलिए सुबह ही मंदिर के गेट नंबर दो और तीन पर पहुंच गए। गेट खुलते ही ठाकुर बांके बिहारी महाराज की भक्ति में सराबोर श्रद्धालु तेज गति से आंगन में पहुंचे और टकटकी लगाए चरणों को निहारते रह गए। भगवान भास्कर के तल्ख तेवर भी श्रद्धालुओं की आस्था के सामने बेअसर हो गए। वह गर्मी के दौरान पसीने से तर बतर होते हुए लाइन में लगते हुए आगे बढ़ते गए और सुबह के चरण दर्शन और सायं को सर्वांग दर्शन किए। अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांकेबिहारी महाराज को केसरयुक्त मलयागिरि के चंदन का लड्डू अर्पित किया गया। साथ ही सत्तू, बेसन के लड्डू समेत शीतल पेय पदार्थों का भोग लगाया। ठाकुर बांकेबिहारी महाराज को पीले कपड़ों की पोशाक धारण कराई गई। रायबेल, कुंद, मोगरा तथा गुलाब की सुगंधित मालाओं के साथ स्वर्णाभूषण, सोने की बांसुरी और पाजेब पहनाई गई। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। मंदिरों की नगरी को तीन जोन और नौ सेक्टरों में बांट कर अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार खुद व्यवस्थाओं की निगरानी करते नजर आए।

बांके बिहारी मंदिर में चरण दर्शन को जाते श्रद्धालुओं की भीड़ का नजारा।

रौनक

अक्षय तृतीया पर बाजार हुए गुलजार

शोरुमों में सोने के जेवर खरीदने पहुंचे लोग

मथुरा में राधारानी ज्वैलर्स के शोरुम में जेवर की खरीदारी करते ग्राहक।

कोषदा ज्वैलर्स शोरुम में आभूषणों की खरीदारी करते ग्राहक।

नए दो पहिया वाहन और कार भी लोगों ने खरीदे

शहर में कपड़ों की दुकानों पर भी रौनक दिखाई दी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय तृतीया हो और सोने के जेवरों की खरीदारी न हो। ऐसा कैसे हो सकता है। दिन छिपने के साथ ज्वैलर्स के शोरुमों में गहमा गहमी शुरू हो गई। हर कोई सोने के जेवर खरीदने के लिए लालयित था। भले ही सोने की कीमत एक लाख रुपये में दस ग्राम के आसपास थी। फिर लोग शगुन के लिए कम वजन वाले जेवर खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे थे। कई बड़े शोरुमों में तो अच्छी खासी रौनक थी। ऐसा नहीं लग रहा था कि लोग सोने की कीमत को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हों। इसी क्रम में कई लोगों ने चार पहिया और दो पहिया वाहन भी खरीदे और शुभ घड़ी में सड़क पर निकाली। कपड़ों के शोरुमों में रौनक दिखाई दी।

आज रात्रि को करीब 500 शादियां

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय तृतीया पर सहालग होने के कारण जिले में पांच सौ अधिक शादियां होने की तैयारी चल रही थी। पूरे दिन शादी वाले परिवारों में घुड़चढ़ी की तैयारियां चलती रही तो रात को बारात चढ़ाई के कारण जाम की स्थिति के आसार दिखाई दे रहे थे। विवाहों में शामिल होने के लिए रिश्तेदार तक पहुंच गए।

वृंदावन के लोगों की गाड़ियों को प्रवेश नहीं मिला

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन के लोगों की शिकायत यह रही कि कई जगह लोकल लोगों की गाड़ियों को प्रवेश नहीं दिया गया। गाड़ियों में सवार लोग अपने आपको वृंदावन का रहने वाला बताते रहे और आधार कार्ड तक दिखाया किंतु फिर भी प्रवेश नहीं दिया गया।

बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं पर नजर रखते डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार।

पुलिसकर्मी ने व्यापारी के गाल पर थप्पड जड़ा

यूनिक समय, वृंदावन। अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में राधा स्नेह बिहारी मंदिर के पास एक पुलिसकर्मी ने व्यापारी के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। इस कारण काफी देर नोक झोंक होती रही। हालांकि एसएसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करने की सलाह दी थी, लेकिन कई जगह पुलिसकर्मियों ने लोगों के साथ अभद्र व्यवहार किया। थप्पड़ कांड का वीडियो वायरल हो रहा है।

ठाकुर बांके बिहारी महाराज के चरण दर्शन को आए श्रद्धालुओं का नजारा।

अक्षय तृतीया : ब्रज के मंदिरों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

अक्षय तृतीया पर सफेद पोशाक में द्वारकाधीश मंदिर में प्रभु द्वारकानाथ।

अक्षय तृतीया पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर गर्भगृह के दर्शन।

सभी प्रसिद्ध मंदिरों में भक्तों ने की पूजा अर्चना

गोवर्धन में गिरिराजजी की सप्तकोसीय, बरसाना में गहवरवन व मथुरा की लगाई परिक्रमा

वरिष्ठ संवाददाता

अक्षय तृतीया पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर प्रभु देवकी नंदन के मयूरी श्रृंगार के दर्शन।

लाडलीजी मंदिर में भक्तों पर कृपा बरसाती राधाजी और श्रीकृष्ण सखी भेष में।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज के मंदिरों में अक्षय तृतीया पर आराध्य के दर्शन को भक्तों का सैलाब आज उमड़ पड़ा। भक्तों ने जहां गोवर्धन, बरसाना, मथुरा में सूर्य की तपिश की चिंता किए बगैर परिक्रमा लगाकर दानपुण्य किए, वहीं भोर में मथुरा में यमुना में डुबकी लगाकर स्नान किया तो गोवर्धन में मानसीगंगा, बरसाना प्रिया कुंड, वृषभानकुंड, नंदगांव में जशोदा कुंड में स्नान किया। नगर के श्रीकृष्ण जन्मस्थान, केशवदेव मंदिर में अक्षय तृतीया पर्व पर विशेष पूजा अर्चना की गई। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश की विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि अक्षय तृतीया पर्व पर ठाकुर मंदिर द्वारकाधीश में राजभोग के दर्शन में प्रातः 10 बजे ठाकुर द्वारकानाथ को चंदन लगाया। शीतलता से संबंधित सभी सतुआ, खरबूजा, ठंडाई, शिकंजी का भोग लगाया गया। भक्तों ने मंदिर में खरबूजा, पंखा और सतुआ अर्पित किया। गोवर्धन में भक्तों ने दानघाटी मंदिर, हरदेवजी मंदिर, गिरिराज मुकुट मंदिर मानसीगंगा, हरगोकुल मंदिर, जतीपुरा में गिरिराज मुखारविंद मंदिर, श्रीनाथजी के दर्शन और पूजा अर्चना की। मानसीगंगा में स्नान करके परिक्रमार्थियों ने गिरिराज महाराज की सप्तकोसी परिक्रमा लगाई। बरसाना में अक्षय तृतीया पर्व पर भक्तों ने प्रातः चार बजे से देर रात्रि तक गहवरवन की परिक्रमा लगाई। यहां के प्रिया कुंड, वृषभान कुंड, प्रेम सवरोवर गाजीपुर, गहवरकुंड चिकसौली, त्रिवेणी कूप उंचागांव में स्नान करके भक्तों ने मंदिरों व आश्रमों में जाकर पूजा अर्चना करके दानपुण्य किया। विश्व प्रसिद्ध लाडलीजी मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। पीली पोशाक में राधाजी व श्रीकृष्ण अपने भक्तों को लुभा रहे थे।
नंदगांव स्थित नंदबाबा मंदिर में माता यशोदा, बाबा नंद के साथ कृष्ण बलराम के दर्शन करके भक्तों ने अपने को निहाल किया। वहीं आशेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा की पूजा की गई। गोकुल, महावन, बलदेव में भी अक्षय तृतीया पर्व पर भक्तों की भीड़ लगी रही।

केशवदेव मंदिर में प्रभु केशवदेव के चंदन लेप में दर्शन।

अक्षय तृतीया पर केशवदेव ने दिए 24 अवतार के दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव महाराज में अक्षय तृतीया पर्व पर भगवान केशवदेव का संपूर्ण 24 अवतारों के रूप में अपने भक्तों को दर्शन दिए। सेवायत मुन्नीलाल गोस्वामी, बिहारी लाल गोस्वामी ने सुगंधित इत्रों से प्रभु केशवदेव का पंचामृत अभिषेक किया। ठाकुर जी को ठंडक प्रदान के लिए गत 7 दिनों से सेवायतों ने तैयार किया। चंदन का लेप लगाया। प्रभु को रजत सिंहासन पर विराजमान कर फूल बंगला सजाया। इसमें भगवान का 24 अवतार के दर्शन कराए। श्री कृष्णा सामूहिक संकीर्तन मंडल की सदस्यों ने ठाकुर जी के सम्मुख भजन गाए। भक्तों को सत्तू प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर सोहनलाल शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा, मनमोहन सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, बृजमोहन शर्मा, कृष्ण गोपाल शर्मा, महेश गोयल, मुकटमणि शर्मा आदि उपस्थित थे।

जगन्नाथ मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव मनाया

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी के रिफाइनरी नगर में अक्षय तृतीया पर गोकुलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ मंदिर स्थापना की प्रथम वर्षगांठ भक्तिभाव के साथ मनाई गई। सुबह भगवान जगन्नाथ का पूजन-अर्चन कर सामूहिक रूप से हवन किया गया। श्री जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट ने भक्तों के सहयोग से मंदिर में आयोजित किए गए हवन-पूजन में आईओसीयंस व एमआरियंस ने सहभागिता की। समारोह में मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल अपनी धर्मपत्नी छवि अग्रवाल के साथ शामिल हुए एवं पूजन-अर्चन किया। भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर रथ के निर्माण का कार्य शुरू किया गया। इस वर्ष भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 27 जून को निकलेगी। बाहुड़ा 5 जुलाई को होगा। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में रिफाइनरी प्रमुख को राजा का दायित्व संभालने को मिलता है।

भगवान जगन्नाथ की प्रथम वर्षगांठ पर पूजन-अर्चन करते हुए रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी छवि अग्रवाल।

श्रद्धालुओं को शर्बत और ग्लूकोज वितरित

अक्षय तृतीया पर तुलसी निवास के निकट श्रद्धालुओं को मिल्क रोज शरबत एवं ग्लूकोस व हाथ पंखा वितरित करते पार्षद वैभव अग्रवाल समेत अन्य सदस्य।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। नवोदित संस्था टीम सेवार्थ ने अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शन करने आए हज़ारों श्रद्धालुओं को बांके बिहारी बाजार तुलसी निवास पर मिल्क रोज शरबत वितरण एवं ग्लूकोस वितरण व हाथ पंखा वितरण किया।
जिलाधिकारी सी. पी. सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार ने संस्था द्वारा किये जा रहे सेवाकार्यों की प्रशंसा की। इस मौके पर पार्षद वैभव अग्रवाल, गोविंद खंडेलवाल, मोहन कुमार शर्मा, प्रशांत वार्ष्णेय, शिव अवस्थी, अंशुल शर्मा, गोपाल खंडेलवाल, विश्वनाथ गौतम, घनश्याम सिंह, सोनू ठाकुर, बंटी शर्मा, कृष्ण मुरारी अग्रवाल, अंकित अरोड़ा, विराट गोला, शुभम् दिवाकर, गोकुलेश सैनी व सतीश सिसोदिया उपस्थित थे।

सात बटुक ब्रह्मचारियों का यज्ञोपवीत संस्कार

उपनयन संस्कार वेद विद्यालय प्रांगण में हुए यज्ञोपवीत संस्कार के दौरान सात बटुक ब्रह्मचारी।

यूनिक समय, वृंदावन। केशव धाम से संचालित केशव वेद विद्यालय में अक्षय तृतीया पर वैदिक शिक्षा के संरक्षण, संवर्धन, प्रचार, प्रसार और वैदिक संस्कार संस्कृति के संरक्षण के लिए वैदिक परम्परा के अनुसार वैदिक शिक्षा का अध्ययन प्रारम्भ करने वाले सात बटुक ब्रह्मचारियों का यज्ञोपवीत, उपनयन संस्कार वेद विद्यालय प्रांगण में वैदिक परम्परा के अनुसार किया गया। अध्यक्षता दास बिहारी अग्रवाल ने की। मुख्य वक्ता भागवताचार्य रामविलास चतुर्वेदी थे। मार्गदर्शन केशव वेद विद्यालय के संयोजक डॉ. सत्यमित्रानंद महाराज ने किया। संस्कृत भारती बृज प्रांत न्यास अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल ने आभार जताया। संचालन वेद विद्यालय समिति के सदस्य आचार्य ब्रजेंद्र नागर ने किया। प्रधानाचार्य रविन्द्र शर्मा, कार्यक्रम संयोजक गंगाधर अरोड़ा, संस्कृत भारती मथुरा जनपद प्रचार प्रमुख रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

बाबा साहब के अपमान को लेकर सपा पर भड़की भाजपा

डीगगेट चौराहा स्थित बाबा साहब की प्रतिमा स्थल पर बाबा साहब आम्बेडकर के अपमान के विरूद्ध विधायक श्रीकांत शर्मा, विधायक पूरन प्रकाश, महानगर अध्यक्ष राजू यादव व भाजपाई। धरना स्थल पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मेयर विनोद अग्रवाल।

डीग गेट पर सपा मुखिया का पुतला फूंकते भाजपाई।

वरिष्ठ संवाददाता

बाबा साहब सामाजिक न्याय और समानता के हैं प्रतीक : श्रीकांत

डीग गेट पर भाजपाइयों ने सपा प्रमुख का फूंका पुतला

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर के साथ अपना आधा चेहरा जोड़कर प्रस्तुत की गई तस्वीर को भारतीय जनता पार्टी ने अत्यंत आपत्तिजनक और बाबा साहब का अपमान बताया है। इस कृत्य के विरोध में भाजपा जिला महानगर की ओर से डीगगेट चौराहा स्थित बाबा साहब की प्रतिमा स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की अगुवाई भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर 'राजू' यादव ने की। विधायक श्रीकांत शर्मा, महापौर विनोद अग्रवाल, विधायक ठा. मेघ श्याम सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, सहित कई भाजपा के वरिष्ठ नेताओं समेत कार्यकर्ताओं ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा,"बाबा साहब केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक हैं। अखिलेश यादव ने उनके चित्र के साथ इस प्रकार की छेड़छाड़ करना न केवल अनादर है, बल्कि समाज को भ्रमित करने की कोशिश है। भाजपा इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी।

समाजवादी पार्टी को तुरंत माफी मांगनी चाहिए। महापौर विनोद अग्रवाल ने बताया कि बाबा साहब आंबेडकर हमारे राष्ट्र की आत्मा हैं। उन्होंने हर नागरिक को समान अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। जिला महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मथुरा महानगर इकाई बाबा साहब के सम्मान की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। अखिलेश यादव द्वारा बाबा साहब की तस्वीर के साथ अपना चेहरा जोड़कर प्रचार करना सीधे-सीधे उनकी महान विरासत पर हमला है। प्रदर्शन के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने डीग गेट तिराहा पर अखिलेश यादव का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर, पूर्व ब्लाक प्रमुख पन्नालाल गौतम, संजय शर्मा, कुंज बिहारी चतुर्वेदी, अंकुर अग्रवाल, हरिओम शर्मा, विनीत शर्मा, लोकेश तायल, मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा, दीपक गोला, नितिन चतुर्वेदी, यतेंद्र फौजदार, योगेश आवा, कुलदीप शर्मा, कमला प्रसाद, सत्यपाल चौधरी, हेमन्त खंदौली, नरेन्द्र गौतम, चंद्रपाल कुंतल, पार्षद अंकुर गुर्जर, पार्षद हनुमान गुर्जर, पार्षद तरुण सैनी, अर्जुन सोनी, बृजेश अहेरिया, मंडल अध्यक्ष अजय राजावत, सुनील तरकर तथा जितेंद्र वार्ष्णेय आदि मौजूद थे।

पाकिस्तानी झंडे को सड़क पर छापकर रौंदा

पहलगाम हमले के विरोध में कोसीकलां के गुस्साए लोग पाकिस्तान के झंडे का अपमान करते हुए।

यूनिक समय, कोसीकलां। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद देश भर में लोग अपने-अपने तरीके से पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी को लेकर शहर में हिंदूवादी संगठनों के युवकों ने शहर के बल्देवगंज चौराहा और घंटाघर पर पाकिस्तान के झंडे की आकृति सड़क पर छापकर पैरों तले रौंदते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद नारे लगाकर विरोध जताया। इस दौरान कई वाहन चालकों ने पाकिस्तान पर गुस्सा दिखाते हुए पाकिस्तान के झंडे के ऊपर से अपने वाहन निकाले। साथ ही सरकार से दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। इस मौके पर रोहित, भगत सिंह, मोहित जायसवाल, दिपांशु पंडित तथा राहुल एडवोकेट आदि मौजूद थे।

महिला से बलात्कार करने वाले युवक को दस साल की सजा

30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय संख्या एक सुशील कुमार ने एक अभियुक्त को घर में घुसकर महिला के साथ बलात्कार करने के मामले में दस साल की कैद एवं तीस हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया है। मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक शासकीय अधिवक्ता सुभाष चतुर्वेदी ने बताया कि थाना मांट के एक गांव में 22 अप्रैल 2021 की रात एक महिला अपने घर पर सो रही थी।

रात को करीब एक बजे गांव का युवक संजीव उर्फ संजू महिला की छत से कूद कर घर में आया और महिला को दबोच लिया। युवक ने महिला के जबरन कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ बलात्कार किया। शोर करने पर महिला की बेटी के आने पर युवक वहां से भाग गया। महिला ने अपने साथ हुई इस घटना के बारे मे अपने जेठ को बताया। जेठ ने इस मामले में थाना मांट में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) त्वरित न्यायालय संख्या एक सुशील कुमार के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त संजीव कुमार उर्फ संजू को दस साल की कैद और 30 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायाधीश ने जुर्माने की धनराशि से 50 प्रतिशत राशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में देने के भी आदेश दिए हैं।

बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण चार को

यूनिक समय, बरसाना। श्री राधारानी रसोई की ओर से नौबारी-चौबारी ढभाला में दस वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और देखभाल शिविर का 4 मई को लगेगा। श्री राधा रानी रसोई के संचालक ब्रज सेवक हरीश चंद्र कोहली ने बताया कि मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर फरीदाबाद के डॉ. रोहित गर्ग की अगुवाई में उनकी टीम द्वारा चार मई को सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर एक बजे तक बच्चों के स्वास्थ्य को जांच कर निःशुल्क दवा, विटामिन्स, स्वास्थ्य वर्धक सप्लीमेंट्स, टॉनिक प्रदान करेगी।

आईसीएसई बोर्ड रिजल्ट देख छात्र-छात्राएं उछल उठे

ग्रेस कॉन्वेंट स्कूल हाईस्कूल में प्रतिभा प्रथम

इंटर विज्ञान वर्ग में कृष्ण वर्धन व कॉमर्स में सौम्या रही प्रथम

आईसीएसई बोर्ड का परीक्षा परिणाम देख उछल उठी छात्राएं।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (आईसीएसई) ने आज 10वीं और 12वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए। आईसीएसई का बोर्ड परीक्षा परिणाम ऑन लाइन देखकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। अधिकांश छात्र-छात्राओं ने अपने घरों पर ही परीक्षा परिणाम जाना। कुछ छात्रों ने अपने स्कूलों में परीक्षा परिणाम देखा।

आईसीएसई की 10 वीं की परीक्षा में ग्रेस कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा प्रतिभा ने 94.4 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में प्रथम, वर्तिका खंडेलवाल ने 94.2 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, छात्र दिव्यांश ने 93.6 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय, परी अग्रवाल व

अनवी राठौर
95 .6%

आदर्श आहूजा ने 93.4 प्रतिशत अंक लेकर चतुर्थ, दीपिका गुप्ता ने 92.6 प्रतिशत अंक लेकर पंचम, कनिष्का राठौर ने 91.8 प्रतिशत अंक लेकर छटवां, सौम्या सिद्धिकी ने 91.2 प्रतिशत अंक लेकर सातवां, दीपिका उपाध्याय ने 90.6 प्रतिशत अंक लेकर आठवां, प्राची खंडेलवाल ने 90.4 प्रतिशत अंक लेकर नौवां, पृथ्वी चौधरी ने 90 प्रतिशत अंक लेकर दसवां स्थान प्राप्त किया। वहीं इंटर की विज्ञान वर्ग परीक्षा में कृष्णवर्धन सिंह राठौर 91.24 प्रतिशत अंक कालज में प्रथम, वैष्णवी लवानियां 90.25 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, देव 89 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय, आयुषी चकाचक 88.25 प्रतिशत अंक लेकर चतुर्थ, माधव मिश्रा 86.75 प्रतिशत अंक लेकर पांचवां, आयूष चौधरी ने 83.25 प्रतिशत अंक लेकर छटवां स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा इंटर कॉमर्स में सौम्या चतुर्वेदी ने 89.5 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में प्रथम, आदिती सिंह ने 87.75 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, शारदा चौरसिया व अनामिका सिकरवार ने 87.5 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय, प्रियंका कुमारी ने 84.75 प्रतिशत अंक लेकर चौथा स्थान प्राप्त किया।

द भूतनी फिल्म कल होगी रिलीज

संजय दत्त के साथ ब्रज कलाकार दुर्गी भैया नजर आएंगे

फिल्म अभिनेता संजय दत्त के साथ अभिनय करता ब्रज का कलाकार दुर्गी।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बॉलीवुड मूवी द भूतनी का इंतजार कर रहे दर्शक अब फिल्म बड़ी ही आसानी के साथ देख सकेंगे। बॉलीवुड ड्रामा फिल्म द भूतनी एक मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है। फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट व संजय दत्त हैं। फिल्म द भूतनी में संजय दत्त-बाबा की भूमिका में नजर आएंगे। मौनी रॉय-मोहब्बत की भूमिका में, सनी सिंह-शांतनु की भूमिका, पलक तिवारी-अनन्या की भूमिका, निक -साहिल की भूमिका, आसिफ खान-नासिर की भूमिका एवं ब्रज कलाकार दुर्गी भैया एक अच्छे घोस्ट की भूमिका में नजर आएंगे। ब्रज कलाकार दुर्गी भैया इन दिनों मुम्बई में शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने मुम्बई से ब्रजवासियों को आग्रह करते हुए कहा है कि अधिक से अधिक लोग उनकी आगामी फिल्म द भूतनी को 1 मई के दिन अपने नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर अवश्य देखें। फिल्म द भूतनी एक हॉरर बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जो आपका जमकर एंटरटेनमेंट करेगी।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गौ तस्कर गिरफ्तार

पुलिस की गोली उसके दोनों पैरों में लगी

पुलिस को देशी तमंचा, कारतूस व बाइक भी मिली

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एसओजी, स्वाट व जैंत पुलिस ने अंतर्राज्यीय गौतस्कर 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को बीती रात हुई एक मुठभेड़ के दौरान गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस की गोली दोनों पैरों में लगने से घायल हुए बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ सदर ने बताया कि 23 मई 2024 को चेकिंग के दौरान गौवंश से भरे कंटेनर को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। इस पर चालक बैरियर को तोड़ता हुआ भाग गया। पुलिस के पीछा करने पर गौतस्कर कोटा गांव से बाजना की तरफ रेलवे अंडर पास के समीप कंटेनर को छोड़कर भाग गए। कंटेनर में 11 जिंदा और 19 मृत गौवंश बरामद हुए थे। इस मामले में थाना जैंत में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले में शोकत निवासी सालाहेडी थाना सदर जिला

पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए 25 हजार के इनामी गौ तस्कर को गाड़ी में बिठाने के लिए ले जाती पुलिस।

नूह हरियाणा के बारे में जानकारी पुलिस को लगी थी। पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पा रही थी। पुलिस विभाग से उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपय का इनाम घोषित किया गया था। जैंत पुलिस एसओजी व स्वाट टीम को शौकत के बारे में जानकारी लगी कि वह बाइक से जैंत इलाके में आने वाला है। इस जानकारी पर पुलिस की टीमों ने उसकी घेराबंदी की। हाईवे 19 पर देवी आटस रोड पर पुलिस टीम की शौकत के साथ मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से गोलियां चली। पुलिस की गोली शौकत के दोनों पैरों में लगी और वह मौके पर ही गिर गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचा दिया।

छाता में परशुराम जयंती मनाई

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। श्री भगवान परशुराम सेवा दल ने भगवान परशुराम जयंती पुराना जीटी रोड स्थित भगवान परशुराम चौक पर मनाई। परशुराम सेवा दल के संरक्षक सुभाष द्विवेदी, सुशील भारद्वाज, गौरव शास्त्री, अनिल भारद्वाज एवं अशोक शर्मा ने पूजन किया। कार्यक्रम में मुकेश भारद्वाज, अनुज पंडित, सौरभ शर्मा, श्याम पुजारी, नवनीत शर्मा, टीकाराम शर्मा, आशीष शर्मा एडवोकेट तथा संजय गुप्ता आदि उपस्थित थे।

आज नहीं चली इलेक्ट्रिक बसें

यूनिक समय,मथुरा। अक्षय तृतीया से एक दिन पहले सफाई कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर बुधवार को इलेक्ट्रिक बसो का संचालन नहीं हुआ। जिससे अक्षय तृतीया को ब्रज के वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा हुई। बसें नहीं चलने से लाखों का नुकसान हुआ।

मथुरा में कल जमीनों की रजिस्ट्री नहीं होगी

मथुरा के रजिस्ट्री कार्यालय में उप निबंधक सदर अजय त्रिपाठी को ज्ञापन देते दस्तावेज लेखक निबंधन समिति के पदाधिकारी।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कातिबों ने किया काम बंद रखने का आह्वान

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध ब्रज में उबाल है। एक ओर व्यापारियों ने कल मथुरा बंद रखने का आह्वान किया है। वहीं मथुरा बंद का समर्थन करते हुए सभी कातिबों ने रजिस्ट्री ऑफिस में एक मई को काम बंद रखने का ऐलान किया है। दस्तावेज लेखक निबंधन समिति के पदाधिकारियों ने कल काम नहीं करने के संबंध में उप निबंधक सदर अजय त्रिपाठी को आज पत्र भी सौंपा है। समिति के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, संरक्षक सोहनलाल शर्मा, सचिव केके चौधरी, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक एड, प्रेम सिंह, द्वारकाप्रसाद शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी ने कल मथुरा बंद का समर्थन करते हुए कहा है कि मथुरा वृंदावन क्षेत्र की रजिस्ट्री संबंधी कोई कार्य नहीं किया जाएगा। रजिस्ट्री संबंधी कोई कार्य नहीं किया जाएगा।

अब जिला सहकारी बैंक देगी इंटरनेट व मोबाइल बैंकिंग सेवा

ग्राहक ले सकेंगे यूपीआई सेवा का लाभ

जिला सहकारी बैंक आय बढ़ाकर करेंगी 3354 लाख

बैंक की बोर्ड बैठक में लिया गया निर्णय

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को जिला सहकारी बैंक लि. प्रबन्ध समिति की बैठक बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बैंक के संतुलन पत्र वर्ष 2024-25 के आंकड़ों एवं आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट का अनुमोदन किया गया। वर्ष 2024-25 में बैंक को कुल 3178.83 लाख रुपये की आय हुई। जिसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़ाकर 3354.00 लाख किया जाना प्रस्तावित किया गया। बैठक में सदस्यों के अनुमोदन साथ खरीफ अभियान में जनपद के कृषकों को उर्वरक की उपलब्धता व ऋण प्रवाह निरन्तरता बनाये रखने के लिये उर्वरक व्यवसाय ऋण सीमा और अल्पकालीन फसली ऋण सीमा भी स्वीकृत कराये

जिला सहकारी बैंक की बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करते बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर, साथ में बैंक के अधिकारी।

जाने का निर्णय लिया गया। जिला सहकारी बैंक में मॉडर्न बैंकिंग सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत नाबार्ड द्वारा प्रस्तावित साझा सेवा इकाई के अन्तर्गत सदस्यता ग्रहण किये जाने पर निर्णय लिया गया। इससे बैंक के ग्राहकों को सीबीएस एवं सीबीएस प्लस सेवाओं, कॉमन एमआईएस सर्वर और डाटा वेयरहाउस, व्हाईट लेबल इन्टरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग, केन्द्रीकृत खाता, एग्रीमेटर प्लेटफार्म, एटीएम स्विच, आरटीजीएस एनईएफटी, यूपीआई, आईएमपीएस इत्यादि हेतु एकीकृत भुगतान प्रणाली, केन्द्रीकृत साइबर-सुरक्षा संचालन, ऋण उत्पत्ति प्रणाली, ई-केवाइसी, आधार वॉल्ट, आदि सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। बैठक में बैंक के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह, संचालक सदस्य जगदीश कुमार कुन्तल, निहाल सिंह आर्य, उमेशप्रताप सिंह, बनवारी सिंह सिकरवार, मानवेन्द्र सिंह और बैंक के सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी, दमन लाल शर्मा तथा उप महाप्रबंधक सुमित कुमार शर्मा उपस्थित थे।

बरसाना रोप वे का तार मुम्बई से आज पहुंचा

नहीं आए कम्पनी के इंजीनियर जल्द प्रारंभ होने की संभावना

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना। बरसाना में रोप वे के संचालन करने के लिए विशेष तार आज मुम्बई से रोप वे स्थल पर पहुंचा। लेकिन अभी कम्पनी के इंजीनियरों की टीम नहीं आई। उसके बाद संचालन कम्पनी के कर्मचारियों ने तार बदलने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। जबकि ट्रायल का काम इंजीनियरों की टीम आने पर प्रारंभ होगा। बरसाना में ब्रह्मांचल पर्वत पर स्थित लाडलीजी मंदिर तक जाने के लिए रोपवे में विगत 18 मार्च को मंदिर से दर्शन करने के बाद श्रद्धालुओं को लेकर लौटते समय अचानक पावर कट हो गया था। इसके बाद रोपवे के ब्रेक के फेल हो गए और तीनों केबिन स्टेशन पर आकर एक-दूसरे से टकरा गई थीं। हालांकि इसमें किसी श्रद्धालु को कोई चोट नहीं आई थी। तभी से रोपवे का संचालन एमवीडीए के अधिकारियों ने बंद करा दिया था। आईआईटी रुड़की से आई टीम की जांच में रोप जगह-जगह घिसने की बात भी सामने आई थी। इसके बाद रोप बदलने के लिए आदेश दिए गए थे। रोपवे का संचालन करने वाली कंपनी श्री राधारानी रोपवे प्राइवेट लिमिटेड ने नए रोप के लिए ऑर्डर दे दिया था। मुंबई की एक कंपनी द्वारा इस रोप का निर्माण किया जाता है। लोहे का यह तार लंबे इंतजार के बाद बुधवार को बरसाना पहुंच गया। जैसे ही आज यह तार बरसाना पहुंचा उसके बाद दोपहर में कम्पनी के कर्मचारियों ने रोपवे पर नया तार डालना प्रारंभ कर दिया। जबकि कंपनी के इंजीनियरों के आने पर रोपवे का ट्रायल शुरू होगा। एमवीडीए के अधिकारियों को उम्मीद है कि यह कार्य एक सप्ताह के अंदर प्रारंभ हो जाएगा।

बरसाना के रोप वे के लिए मुम्बई से पहुंचा तार।

रोप वे पर नया तार लगाना हुआ शुरू

ब्रज चिकित्सा संस्थान में अल्ट्रासाउंड मशीन का उद्घाटन

ब्रज चिकित्सा संस्थान में अल्ट्रासाउंड विभाग का लोकार्पण करते पदाधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अक्षय तृतीया पर ब्रज चिकित्सा संस्थान में अल्ट्रासाउंड मशीन का उद्घाटन विधिवत पूजा-पाठ एवं ठाकुर जी के पूजन के साथ संपन्न हुआ। संस्थान के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य हमेशा से समाज सेवा रहा है और भविष्य में भी ऐसी कई आधुनिक सुविधाएं जोड़ी जाएंगी, जिससे मथुरा व आसपास के क्षेत्र के नागरिकों को राजधानी स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं यहीं उपलब्ध हो सकें। यह पहल न केवल चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति का प्रतीक है, बल्कि ब्रज चिकित्सा संस्थान की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस मौके पर संस्थान के सचिव अनुराग अग्रवाल कसेरे, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, गौर शरण अग्रवाल, किशोर कुमार अग्रवाल, नगेंद्र मोहन मित्तल, महेश चंद गर्ग, डॉ. सौरभ बंसल, डॉ. निधि अग्रवाल, डॉ. अंजलि चौधरी, डॉ. राघवेंद्र चौधरी, डॉ. नम्रता सिंह तथा डॉ. एकता थादानी सिंह आदि मौजूद थे।

केन्द्रीय डॉपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल के सदस्य बने सार्थक चतुर्वेदी

खेल मंत्रालय ने जारी किया आदेश पत्र

सार्थक चतुर्वेदी

यूनिक समय, मथुरा। भारत सरकार ने खेलों में डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के परिणामों का निर्धारण करने के लिए एक अनुशासनात्मक पैनल का गठन किया है। इसमें सर्वोच्च न्यायालय में भारत सरकार के वरिष्ठ अधिवक्ता सार्थक चतुर्वेदी को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में खेल मंत्रालय की राष्ट्रीय डॉपिंग रोधी एजेंसी नई दिल्ली ने आदेश पत्र जारी किया गया। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार भारत में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए हमेशा संवेदनशील रही है। डॉपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल पूरे देश में स्वच्छ खेल प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेगा। पार्टी की तरफ से कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, सांसद हेमा मालिनी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, राजेश चौधरी, मेघश्याम सिंह, पूरन प्रकाश, एमएलसी ठाकुर ओमप्रकाश, महापौर विनोद अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे, महानगर अध्यक्ष राजू यादव, पूर्व महापौर मुकेश आर्यबंधु, पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर तथा घनश्याम लोधी आदि ने बधाई दी।

सुमन देवी गोयल की इच्छा पूरी

नेत्र दान कर दो लोगों की जिंदगी में रोशनी की

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। समाज सेविका सुमन देवी गोयल पत्नी स्व. कार्ष्णि चंद्र शेखर गोयल ने नेत्रदान कर दो लोगों की जिंदगी में रोशनी कर दी है। उनके परिवार वालों ने बताया कि नेत्रदान करने के लिए मां की बहुत इच्छा थी।

डॉ. अशोक अग्रवाल, विकलांग सहायता संस्था के सचिव प्रेम शंकर अग्रवाल, डॉ श्रॉफ आई हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी सी पी मैसी, डॉ सूफियान दानिश, प्रभारी वरिष्ठ सलाहकार ब्रज हेल्थ केयर, डॉ श्रॉफ आई केयर इंस्टीट्यूट, वृंदावन टेक्नीशियन रोशन सिंह, कुलदीप शर्मा ने अपनी टीम के साथ जाकर नेत्र लिए। नेत्रदान करने वाली इस समाज सेवी की योगेन्द्र गोयल, नारायण हरि गोयल एवं अभिषेक गोयल आदि ने प्रशंसा की।

सुमन देवी गोयल

अड़ींग में हुआ सर्वजातीय विवाह सम्मेलन

कन्यादान कर सभी ने वर-वधू को दिया आशीर्वाद

सामूहिक विवाह सम्मेलन में दाम्पत्य सूत्र बंधन में बंधे युवक-युवती।

यूनिक समय, अड़ींग। सर्व समाज सेवा समिति के तत्वावधान में गांव अड़ींग में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में 6 जोड़ों का विवाह हुआ। इसमें सैनी-जाटव समाज के दो-दो, एक केवट तथा एक नरबरिया समाज का जोड़ा परिणय सूत्र में बंधा। क्षेत्रीय विधायक मेघश्याम सिंह, एम एल सी ठाकुर ओम प्रकाश ने कन्यादान करने के साथ सभी जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह राणा ने शिरकत की। समिति के अध्यक्ष प्रताप सैनी ने सहयोग के लिए ग्रामीणों का आभार जताया।

औरंगाबाद में प्रतिबंधित प्लास्टिक को पकड़ती हुई सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान।

प्लास्टिक, पॉलीथिन के विरूद्ध नगर निगम का अभियान

उल्लंघन करने वालों से 2700 रुपये जुर्माना वसूला

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त शशांक चौधरी के निर्देशन में चलाए जा रहे प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के विरुद्ध नगर निगम की टीम ने बुधवार को दुकानदारों द्वारा अवैध तरीके से प्रतिबंधित पॉलीथिन की रोकथाम के लिए अभियान के माध्यम से लोगों को अवगत कराया। सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान ने 2700 रुपये का जुर्माना वसूला।

पंचामृत अभिषेक कर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया

भगवान परशुराम की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक करते परशुराम शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष राम गोपाल शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। परशुराम शोभायात्रा समिति ने अक्षय तृतीया पर भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव लक्ष्मी दास हाल गांधी पार्क चौक में मनाया। अध्यक्ष राम गोपाल शर्मा समेत पदाधिकारियों ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ भगवान परशुराम की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक किया। वस्त्र धारण कर फूल बंगला में भगवान परशुराम को विराजमान किया। इस मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री बंसीलाल शर्मा, आचार्य रमाकांत गोस्वामी, मनोज बॉबी भैया, गजेंद्र शर्मा, ओ पी उपाध्याय, के के शर्मा, चंद्र प्रकाश कवि, गौरी शंकर, अखिलेश गौड़, आशुतोष भारद्वाज, अनुराग पाठक, सचिव गौरव कांत शर्मा आदि उपस्थित थे। अभिषेक के बाद विचार गोष्ठी हुई। अध्यक्ष राम गोपाल शर्मा ने बताया कि 4 मई को भगवान परशुराम शोभायात्रा निकलेगी। संचालन गौरव कांत शर्मा ने किया।

होलीगेट चौराहे को परशुराम चौक बनाया जाए

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय तीर्थ महासंघ के बैनर तले विश्राम घाट स्थित ब्रजमंडल कार्यालय पर भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मुरारीलाल उपाध्याय ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य सुकेश चंद्र शास्त्री एवं भोलाबाबा महाराज ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ किया। भगवान परशुराम का पूजन विशिष्ठ अतिथि महासंघ के ब्रज प्रांत महामंत्री अमित भारद्वाज, प्रांतीय कोषाध्यक्ष विनोद चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी, लोकेश चतुर्वेदी, वेदांत चतुर्वेदी आदि ने किया। संचालन करते हुए ब्रजमंडल महामंत्री यज्ञदत्त चतुर्वेदी ने मथुरा में जल्द ही होलीगेट को भगवान परशुराम चौक बनाने के मांग की।

राया में जाम, स्कूली वाहन और मरीजों की गाड़ियां फंसी

यूनिक समय, राया (मथुरा)। अक्षय तृतीया पर सबसे बड़ा सहालग होने के कारण कस्बा में यातायात व्यवस्था पटरी से उतर गई। जाम के झाम में वाहन फंस गए। वाहनों की इतनी लंबी कतार लग गई कि पुलिस के पसीने छूट गए। स्कूलों की छुट्टी होने के कारण बच्चों को ले जाने वाले वाहन जाम में कई घंटे तक फंसे रहे। उनके अभिभावक अपने लाड़ले और लाड़लियों का इंतजार करते-करते थक गए। जाम में कई एम्बुलेंस भी फंस गई। उनको निकलने के लिए रास्ता तक नहीं मिला। दोपहर से लेकर सायं तक जाम ही जाम नजर आया।

आतंकी हमले के विरोध में कल मथुरा रहेगा बंद

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में कल मथुरा का बाजार पूरी तरह से बंद रहेगा। इसके चलते पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद प्रबंध किए हैं। आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों पर कायराना हरकत से देश भर में उबाल है। मथुरा में भी इस घटना पर लोगों का आक्रोश साफ नजर आ रहा है। विहिप के आह्वान पर व्यापारिक संगठनों ने घटना के विरोध मे कल मथुरा के बाजार को पूरी तरह से बंद रखने का अह्वान किया है। इसका असर बाजार में प्रातः कचौड़ी, जलेबी और बेढ़ई का नाश्ता करने वाले लोगों के साथ–साथ चाय बीड़ी सिगरेट खरीदने वालों पर पड़ेगा। इसके साथ ही बाजार में सब्जी की खरीद करने वालों को भी बाजार बंद होने के कारण खाली थैला लेकर लौटना पड़ सकता है। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन ने भी शहर में सुरक्षा इंतजामों को कड़ा कर दिया है। इस बारे में एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार का कहना है कि शहर में पुलिस की व्यवस्था पर्याप्त रहेगी। बंद के दौरान पुलिस की पूरी तरह से नजर रहेगी। पुलिस पूरी तरह शहर में शांतिपूर्ण माहौल को कायम रखेगी।

पुलिस के रहेंगे पूरे सुरक्षा इंतजाम

अधिकारियों की रहेगी बंद पर पूरी नजर

होटल एसोसिएशन ने मथुरा बंद का किया समर्थन

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा वृंदावन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन कार्यकारी परिषद की बैठक एसोसिएशन अध्यक्ष ठाकुर महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई। इसमें पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में मथुरा बंद को समर्थन देने का निर्णय लिया। बैठक में अमित जैन, संजीव गर्ग, गिरीश भारती एवं राजन अग्रवाल आदि लोग उपस्थित थे। संचालन आर. बी. चौधरी ने किया।

भाजपा और विहिप ने बंद के समर्थन में रैली निकाली

यूनिक समय, मथुरा। पाकिस्तान के द्वारा पिछले सप्ताह पहलगाम में मारे गए लोगों को लेकर महानगर के सनातनियों एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने 1 मई को मथुरा बंद के समर्थन में बुधवार को महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव एवं विश्व हिंदू परिषद मथुरा महानगर अध्यक्ष अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल के नेतृत्व में जनसंपर्क होली गेट, छत्ता बाजार, विश्राम घाट, स्वामी घाट, चौक बाजार, घीया मंडी, भरतपुर गेट, कोतवाली रोड, होते हुए होली गेट पर संपन्न किया। जनसंपर्क में सनातनियों के हाथों में तिरंगे झंडे एवं केसरिया झंडे लेकर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए सभी व्यापारियों एवं नागरिको से आगामी 1 मई को होने वाले बंद में पूर्ण समर्थन एवं सहयोग का आग्रह किया। जनसंपर्क में वरिष्ठ हिंदूवादी नेता गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, संघ के महानगर कार्यवाह विजय बंटा, योगेश आवा, पवन हिंडोल, मदनमोहन श्रीवास्तव, रामकिशन पाठक, नितिन चतुर्वेदी, बालकिशन पाठक, तरुण सेनी, विकास दिवाकर, महानगर मंत्री गोकुलेश गौतम एडवोकेट, कुंजबिहारी चतुर्वेदी, राजा चौधरी, ऋषभ सारस्वत, धीरज दास, हर्षित अग्रवाल, सुमित सक्सेना, अनमोल पाठक, सुशील कौशिक, शुभम वाल्मीकि, राहुल दुबे, दीपक चौबे, अंकित पंडित, हेमंत चतुर्वेदी, मनु ऋषि, हेमंत चतुर्वेदी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

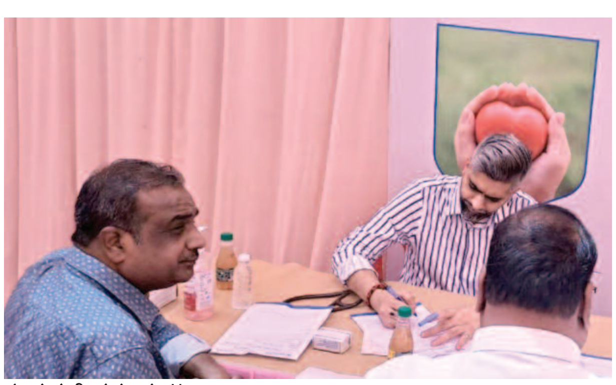
कैंप में रोगी को देखते डॉक्टर।

सर्वोदय हॉस्पिटल फरीदाबाद की तरफ से मल्टी स्पेशलिटी कैंप लगा

यूनिक समय, मथुरा। श्री राधा ऑर्किड रेजिडेंशियल सोसायटी में सर्वोदय हॉस्पिटल फरीदाबाद की तरफ से मल्टी स्पेशलिटी कैंप लगाया। इसमें सर्वोदय हॉस्पिटल की तरफ से कार्डियोलॉजी ऑन्कोलॉजी जनरल फिजिशियन आदि विशेषज्ञ डॉक्टर आए थे। सर्वोदय हॉस्पिटल की तरफ से नरेंद्र उपाध्याय एवं रविंद्र सिंह ने सहयोग किया करीब डेढ़ सौ मरीजों ने अपना जांच कराई और चेकअप कराया। इस मौके पर राधा ऑर्किड के मंत्री भूपेन्द्र चौधरी, पवन गोयल गिलट वाले, दीपक जौहरी, विजय मास्टर, महेश अग्रवाल प्रेस वाले, डॉ. रंजन मोदी, विनोद गोयल, मनोज कागजी तथा राजीव वकील उपस्थित थे।

ब्रह्म भारती परशुराम अंक का हुआ विमोचन

बह्म भारती परशुराम अंक पत्रिका का विमोचन करते पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा एवं अध्यक्ष सोहन लाल शर्मा आदि।

मुख्य संवाददाता

परशुराम शोभायात्रा में नि :शुल्क बांटा जाएगा

यूनिक समय, मथुरा। ब्राह्मण समाज ने ब्रह्म भारती परशुराम अंक का विमोचन किया, जिसे परशुराम शोभा यात्रा के दौरान निःशुल्क बांटा जाएगा। इस पत्रिका के विमोचन का शुभारंभ पूर्व विधायक श्रीकांत शर्मा, इंजीनियर राजेंद्र दत्त आचार्य, सोहनलाल शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, रोहित शर्मा, डॉ देवेंद्र शर्मा, सीमा मिश्रा, जमुना शर्मा तथा उमा शर्मा ने किया। वक्ताओं ने कहा कि यह पत्रिका आगरा मंडल में पहली बार प्रकाशित हुई है। ब्राह्मण समाज के जो बच्चे शादी विवाह योग्य के बारे में जानकारी मिल सकेगी। पत्रिका को जनपद से लगे जिलों में परशुराम शोभायात्रा के दौरान बांटा जाएगी। इस मौके पर नारायण प्रसाद शर्मा, पंकज शर्मा, दिवाकर आचार्य, विवेक, प्रेमी, अवधेश उपाध्याय, मुकेश शास्त्री, पी पी शर्मा, महेंद्र दत्त आचार्य, केके गौतम एवं मुकुट माणि शर्मा आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोकदल पार्टी संगठन की समीक्षा बैठक संपन्न

मथुरा स्थित बैकुंठ रिसॉर्ट पर राष्ट्रीय लोकदल पार्टी द्वारा आयोजित संगठन की समीक्षा बैठक में मंचासीन प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, एमएलसी योगेश नौहवार, जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर एवं अन्य लोग।

आगामी चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल की प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय की अध्यक्षता में मथुरा में आयोजित संगठन समीक्षा बैठक में आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में 26–27 मई को राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के संभावित दौरे की तैयारियों पर भी विचार विमर्श हुआ। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कार्यकर्ताओं से पार्टी को किसानों, मजदूरों, अनुसूचित जातियों और सभी वर्गों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सच्चे सिपाही की तरह कार्य करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर ने आगामी पंचायत चुनावों में की महत्वपूर्ण भूमिका की बात की और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने की सलाह दी। पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह, एमएलसी योगेश नौहवार, पूर्व जिलाध्यक्ष रामवीर सिंह भरंगर, अनूप चौधरी, बाबूलाल, चेतन मालिक, प्रतीम सिंह, कुंवर नरेंद्र सिंह, रविन्द्र नरवार, कुमर चंद रावत, जगपाल सिंह, उमेश चौधरी, सुरेश भगत, जितेंद्र सिंह, राधिका रसिक, बबीता कुमारी जैसे नेताओं ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक का संचालन जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर ने किया।

छोटे-छोटे बदलाव, बड़ी परेशानी के संकेत!

बच्चों में एंग्जायटी के लक्षण पहचानें

यूनिक समय, नई दिल्ली। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता–पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने–जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता–पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना : अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना : एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट : अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना : बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण : पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत, जी घबराना या उल्टी होना, सांस लेने में तकलीफ, ज्यादा पसीना आना।

ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है। बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा। बच्चे का बार–बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना। बच्चे का बाहर जाने से मना करना। किसी से मिलने–जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना। काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए–नए बहाने बनाना। बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

आत्मीयता

प्रायः करलव आकाश में उड़कर स्वतंत्रता का आभास करते है। जब भी गगन की ओर देखते हैं पक्षियों को उड़ता हुआ देखते हैं। सूर्य प्रकाश से सारी सृष्टि में उजाला करता है। इसी तरह जनजीवन में आत्मीयता का भी काफी महत्व है! एक तोता जो मुझे बहुत ही पसंद था। मैंने उसे पिंजरे में बन्द करके पाल लिया । मैं उसके प्रति काफी आत्मीयता का भाव रखती थी। हरी–हरी मिर्च खिलाती, समय–समय पर पानी पिलाती और वो खमोश रहता, क्योंकि उसकी आकांशा तो उड़ने की थी।

अचानक में बीमार हो गई मैने यह सोचा इस तोते को भी स्वतंत्र रहना चाहिए,, गगन में विचरण करना चाहता है मैं इसको पिंजरे में निकालकर स्वतंत्र कर दूँ और ऐसा ही मैंने किया। लेकिन वह तोता थोड़ी देर के लिए बाहर चला गया। कुछ क्षण में वापिस घर की मुड़ेर पर आकर बैठ गया जब मैने उससे प्रश्न किया। तुम तो पक्षी हो उड़ने की अभिलाषा रखते हो, पिंजरा खोलने पर गये क्यों नहीं। थोड़ी देर पश्चात् वह मेरे कमरे में आकर बैठ गया और मिठ्ठू–मिठ्ठू बोलने लगा। पास में रखी औषधि को पकड़ने लगा। अपने चोंच में दबाते हुये दवाई को मेरी और लाने लगा। ऐसा देखकर मुझे आत्मीयता का आभास हुआ मेरी आँखो में खुशी के अश्रु छलकने लगे। तब मेरे मन ने यह समझा मानव व पक्षी में यही अन्तर है मनुष्य के लिए कितना भी कार्य करो वह करवाने के पश्चात् भूल जाता है। स्वार्थ से वशीभूत होकर अपने इन्सानियत के पाठ को विस्मरण कर देता है। आत्मीयता के स्थान पर दैव्य बन कर मनुष्यों के हृदय को आघात पहुंचाता है। इस तोते ने मेरा इतना ध्यान रखा यदि कोई मेरा परिवार सदस्य होता वो भी मेरा ध्यान नहीं रख पाता ! इस तोते की कार्यशैली से प्रभावित होकर मेरा मन उदास होने पर भी नवीन चेतना से ओत–प्रोत हो गया। मन मस्तिष्क में प्रसन्नता की लहर दौड़ उठी।

सच अगर हम भी करलव की भाँति होते तो अधिक अच्छा होता, क्योंकि व्यक्ति स्वार्थ के वशीभूत बंधा होता है। पशु व पक्षी से यदि कोई प्रेम व स्नेह रखता है तो वह भी इसी प्रकार अपने मालिक से सेवा भाव रखते हैं।

अन्त में यही कहना चाहती हूं तोते के इस आचरण से असीम आत्मीयता का बोध हुआ। पक्षी स्वार्थ रहित होते है। इन्सान स्वार्थ की डोर से बंधे होते हैं। व्यक्ति स्वार्थ से बंधकर अपनापन दिखाने का नाटक करते हैं जबकि पशु–पक्षी स्वार्थ की भावना से परे होते हैं।

यदि हम भी होते पक्षी
तो दूर गगन में उड़ते–फिरते
इन्सान से नहीं,
इन्सानियत से आत्मीयता रखते।

कीर्ति भटनागर, आगरा

आंवला का जूस पीने से सेहत को मिलते हैं गजब के फायदे

मिनटों में होगा तैयार, झटपट नोट कर लें रेसिपी

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप अपनी डाइट में सुबह आंवले का ड्रिंक शामिल करते हैं तो इससे आपकी सेहत को कई फायदे होंगे। चलिए हम आपको बताते हैं आंवला जूस पीने के फायदे और इसे घर पर कैसे बनाएं? अगर आप अपने आप को हेल्दी और फिट रखना चाहते हैं तो ज़रूरी है कि आपकी लाइफ स्टाइल और खान पान अच्छा होना चाहिए। आप अपनी डाइट में कुछ बेहतरीन बदलाव कर हेल्दी शरीर पा सकते हैं। जैसे अगर आप अपनी डाइट में सुबह आंवले का ड्रिंक शामिल करते हैं तो इससे आपकी सेहत को कई फायदे होंगे। चलिए, हम आपको बताते हैं आंवला जूस पीने के फायदे और इसे घर पर कैसे बनाएं?

आंवला जूस के लिए सामग्री: 2 आंवला, आधा चम्मच जीरा, 4 से 5 काली मिर्च, 2 लौंग, अदरक का टुकड़ा, स्वाद अनुसार नमक।

आंवला जूस बनाने के लिए सबसे पहल दो आंवला लें और उन्हें पानी में अच्छी तरह धोएं। अब आंवला का गुदा निकालें और बीज को फेंक दें। अब मिक्सर में आंवला का गुदा, आधा चम्मच जीरा, 4 से 5 काली मिर्च, 2 लौंग और अदरक का टुकड़ा डालें और आधा गिलास पानी डालकर इन्हें अच्छी तरह से पीस लें। जब पीस जाए तो आंवला के पानी को अच्छी तरह से छान लें। आंवला का जो बचा हुआ खुजा है उसमें एक गिलास और पानी डालें और एक बार फिर से छान लें।अब इसमें स्वाद अनुसार नमक मिलाएं। आंवले का जूस तैयार है। सुबह सुबह रोज़ इसे पिएं।

आंवला जूस पीने के फायदे: आंवला जूस से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। आंवले के रस में विटामिन सी की उच्च मात्रा प्रतिरक्षा कोशिका के कार्य को बढ़ाकर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करती है। आंवले का रस कब्ज को रोककर पाचन में सहायता करता है। आंवले के रस में एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी त्वचा की लोच में सुधार, उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने और बालों को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि आंवले के रस में हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव हो सकता है, जो संभावित रूप से रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। आंवले का रस कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद कर सकता है, जिससे संभावित रूप से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है।

गर्मी में इन खूबसूरत और शानदार हिल स्टेशन पर बिताएं यादगार पल

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप भी अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए किसी हिल स्टेशन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हसीन और बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मई साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में तापमान आसमान छूने लगता है। अप्रैल के महीने में हर कोई घूमने का प्लान बनाता है। तो वहीं कई लोग ठंडी–ठंडी हवाओं का लुत्फ उठाने के लिए हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में घूमने के लिए जाते हैं, तो कुछ उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर और लेह लद्दाख जैसी जगहों पर पहुंचते हैं। ऐसे में अगर आप भी अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए किसी हिल स्टेशन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हसीन और बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन पल बिता सकते हैं।

रिकांग पिओ : मई की गर्मी में आप शिमला, कुल्लू–मनाली, डलहौजी या धर्मशाला जाने की बजाय रिकांग पिओ भी जा सकते हैं। रिकांग पिओ समुद्र तल से करीब 7 हजार से भी अधिक फीट उंचाई पर मौजूद है। यहां पर भीषण गर्मी में भी तापमान 10डिग्री से 20डिग्री के बीच रहता है। रिकांग पिओ में आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

मुनस्यारी : अगर आप उत्तराखंड की हसीन वादियों में सुकून के पल बिताना चाहते हैं, तो आपको अपने पार्टनर के साथ मुनस्यारी पहुंच जाना चाहिए। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित मुनस्यारी एक हसीन और शानदार हिल स्टेशन है।

यहां पर आपको घने जंगल, बादलों से ढके पहाड़, झील–झरने और ठंडी हवाओं में आप सुकून और शांति के पल बिता सकते हैं। यहां पर कई कपल्स हनीमून के लिए पहुंचते हैं। मुनस्यारी में आप खलिया टॉप, नंदा देवी मंदिर, बिर्थी जलप्रपात और थमरी कुंड जैसी शानदार जगहों पर घूम सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

सोनमर्ग : वैसे तो जम्मू–कश्मीर की हर जगहें पर्यटकों को खूब आकर्षित करती हैं। इसलिए ही जम्मू–कश्मीर को धरती का स्वर्ग माना जाता है। यह एक ऐसी जगह है, जहां पर सालों साल ठंडी हवाओं का लुत्फ उठाया जा सकता है।

अप्रैल की गर्मी में आप सोनमर्ग घूमने के लिए जा सकते हैं। अप्रैल के महीने में सोनमर्ग का तापमान 10डिग्री से 20डिग्री के बीच में रहता है। यह जगह देश का सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशन माना जाता है। यहां पर आप अप्रैल के महीने में भी स्नो एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

लेह लद्दाख : अगर आप गर्मी में किसी ठंडी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, तो आप लेह–लद्दाख घूमने के लिए जा सकते हैं। लेह लद्दाख देश के टॉप पर्यटन स्थलों में से एक माना जाता है।

मई के अलावा जून और जुलाई की भीषण गर्मी में भी हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक लेह लद्दाख घूमने के लिए पहुंचते हैं। वहीं कई कपल्स अप्रैल–मई–जून और जुलाई में यहां पर सिर्फ हनीमून मनाने के लिए भी पहुंचते हैं। वहीं यहां पर आप शानदार और मजेदार एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

इन जगहों पर भी जाएं : इसके अलावा देश में अन्य कई शानदार और हसीन जगहें मौजूद हैं। ऐसे में आप मई की चिलचिलाती गर्मी में हिमाचल प्रदेश में मैक्लोडगंज और खज्जियार, उत्तराखंड में औली या चोपता और नॉर्थ ईस्ट में गंगटोक या नॉर्थ सिक्किम जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर करने पहुंच सकते हैं।

सम्पादकीय

वरिष्ठ नागरिकों की सेहत सुरक्षा के बंदोबस्त जरूरी

बुजुर्गों के लिए सरकारी स्तर पर कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिनका मकसद उनके स्वास्थ्य कल्याण व सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा है। इसमें संदेह नहीं कि इन योजनाओं की पहुंच संबंधित व्यक्ति तक आसानी से हो तो बुजुर्गों के जीवन स्तर को सुधारा जा सकता है। लेकिन देखने में यह आ रहा है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों यानी साठ वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों की सेहत से जुड़ी समस्याएं बढ़ती ही जा रही हैं। खास तौर से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर यह जानकारी सचमुच चिंताजनक है कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद वरिष्ठ नागरिकों को चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। दुनिया के कई दूसरे देशों में सरकार बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल करते हुए उनके जीवन जीने के अधिकार को संरक्षित करती है।

पवन गौतम
संपादक

लेकिन अपनी उम्र का बड़ा हिस्सा देश की उत्पादकता बढ़ाने में खपाने वाले बुजुर्गों को हमारे यहां उस वक्त ज्यादा संकट का सामना करना पड़ता है जब वे सेहत संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे होते हैं। लैंसेट का ताजा अध्ययन आंखें खोलने वाला है जिसमें कहा गया है कि भारत के कई हिस्सों में आज भी बुजुर्गों को आउटडोर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ही आने-जाने में 28 किलोमीटर तक की यात्रा करनी पड़ती है। भर्ती होने के लिए तो यह दूरी 44 किलोमीटर तक बढ़ जाती है। जाहिर है कि ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा से जुड़ी बुनियादी सुविधाएं आज भी कोसों दूर है। देश में वरिष्ठ नागरिकों की संया वर्ष 2031 तक कुल आबादी का 13.2 फीसदी होने का अनुमान है। शहरी और ग्रामीण इलाकों में जीवन स्तर को लेकर विसंगतियां यों तो सदा से रही है। लेकिन लैंसेट का अध्ययन बताता है कि सेहत के मुद्दे पर ग्रामीण इलाकों में जिस गति से काम होना चाहिए था, उस गति से कभी हुआ ही नहीं। एक तथ्य यह भी है कि सेहत के मामलों में उस वर्ग के लोगों की ज्यादा चिंता की जाती है जिसको स्वास्थ्य समस्या होने पर उत्पादकता प्रभावित होने की आशंका रहती है। सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के जरिए भले ही वृद्धजनों को स्वास्थ्य सुरक्षा की बात की जाती हो लेकिन असली मुद्दा उनके घर तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच का है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बड़ी संया में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बुजुर्गों के सामने आर्थिक चुनौतियां भी कम नहीं है।

आयु में वृद्धि और टूटते संयुक्त परिवारों ने इन चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। ग्रामीण ही नहीं शहरी क्षेत्रों में भी वरिष्ठ नागरिकों की सेहत सुरक्षा की दिशा में व्यापक प्रबंध करने की जरूरत है। पिछले चुनावों में अस्सी वर्ष व इससे ज्यादा आयु के बुजुर्ग मतदाताओं को घर से ही मतदान कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। बुजुर्गों को उनके घर तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना भी लोककल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच से दूर इलाकों में चल चिकित्सालय भी बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

नजरिया

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली केंद्र सरकार

योगेंद्र योगी

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है।

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से यह भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताक़तों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है।

गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फ़ैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का क़ानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ़्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते।

इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने लिए चेक एंड बैलेंस जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 74(1) यह साफ कहता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए, ऐसे मामलों में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आरएसएस-भाजपा की ओर से विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को कमजोर करने के लिए, राज्यपाल की शक्तियों के दुरुपयोग को सही ठहराती है। हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृत्ति खतरनाक ढंग से बढ़ी है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति के बयानों को राजनीतिक करार देते हुए कहा कि उन्होंने आज तक किसी राज्यसभा सभापति को ऐसे बयान देते नहीं देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केवल नाममात्र की प्रमुख हैं। वे कैबिनेट की सलाह और स्वीकृति पर कार्य करते हैं। उनके पास कोई व्यक्तिगत निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती। सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए। ऐसा करना उनका अधिकार है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यूक्लियर मिसाइल तो नोटबंदी थी, तब किसी को तकलीफ नहीं हुई? दरअसल सत्तारुढ राजनीतिक दलों के राजनीतिक उद्देश्य होते हैं, जब ये संविधान के दायरे में पूरा नहीं होते तब अदालतों से टकराहट की नौबत आती है। इसकी पुनरावृत्ति निश्चित तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। ऐसे विवादस्पद मुद्दों को सभी पक्षों को मिलबैठ कर निपटाने से ही देश की संवैधानिक विविधता और एकता-अखंडता मजबूत रहेगी।

विचार विण्डो

अब पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई इलाज जरूरी

चेतनादित्य आलोक

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले की बैसरन घाटी में जो अमानवीय और राक्षसी घटना घटी, उसने समूचे भारत को झकझोर कर रख दिया। यह सिर्फ एक आतंकी हमला नहीं था, यह सभ्य मानव समाज के खिलाफ एक घृणित युद्ध था। धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों पर गोलियों की बौछार कर 28 हिंदुओं समेत 30 मासूमों को मौत के घाट उतार देना, एक ऐसी बर्बरता है जिसे न तो भुलाया जा सकता है, न ही माफ किया जाना चाहिए। इस घटना ने वर्षों से जारी उस जहरीले इस्लामिक जिहाद की याद ताजा कर दी है, जिसका संचालन पाकिस्तान की फौज और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई दशकों से करती आ रही है।

यह हमला किसी एक कट्टर आतंकी समूह का तात्कालिक फैसला नहीं था, बल्कि यह एक लंबी और सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। वह रणनीति जो 1947 से शुरू हुई, 1989 में कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार से तेज़ हुई और आज तक जारी है। इस पूरी योजना का केंद्र बिंदु है – पाकिस्तान की सेना। हाफिज सईद, मसूद अजहर जैसे नाम केवल मुखौटे हैं, जबकि असली संचालक रावलपिंडी में बैठे फौजी जनरल्स हैं। यही लोग भारत को अस्थिर करने के लिए बार-बार आतंकवाद का सहारा लेते हैं और भारत में धार्मिक विभाजन की चिंगारी भड़काने की कोशिश करते हैं।

बात सिर्फ 22 अप्रैल की घटना की नहीं है। पिछले सात दशकों में जम्मू-कश्मीर में सैकड़ों बार निर्दोष हिंदुओं को धर्म पूछकर मारा गया है। किश्तवाड़, डोडा, राजौरी, पुंछ, अनंतनाग, काजीगुंड, वंदहामा, कालूचक, रघुनाथ मंदिर – इन सभी स्थानों पर रक्त की होली खेली गई है। भारत के नागरिकों की जान लेने वाले इन नरसंहारों में एक ही पैटर्न रहा है – धर्म की पहचान कर हत्या। पाकिस्तान-प्रायोजित जिहादियों की फितरत यही है: निहत्थे लोगों पर हमला कर अपनी "वीरता" सिद्ध करना। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख के हालिया भाषणों ने इस जहरीली मानसिकता को और भी स्पष्ट कर दिया है। उनके भाषणों में न केवल भारत और हिंदुओं के प्रति घृणा उगली जाती है, बल्कि धार्मिक जिहाद को खुलेआम समर्थन दिया जाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि अब पाकिस्तान की नीयत सुधारने की कोई संभावना नहीं बची है। यह देश अब आतंक का पर्याय बन चुका है, और इसकी सेना आतंकवाद का कारखाना। पुलवामा हमला हो या बैसरन

घाटी का नरसंहार – हर बार भारत केवल कुछ आतंकियों को मारकर अपने "प्रतिशोध" की खानापूर्ति करता है, जबकि असली अपराधी बच निकलते हैं। जब तक पाकिस्तान की सेना और उसकी आतंकी फैक्ट्रियां नष्ट नहीं होंगी, तब तक भारत के नागरिक सुरक्षित नहीं रह सकते। अब हमें अपना एजेंडा बदलना होगा। केवल आतंकवादियों को निशाना बनाना पर्याप्त नहीं है, अब उनकी पालक सेना पर सीधा प्रहार करना होगा। भारत को चाहिए कि अब रक्षात्मक नीति छोड़कर आक्रामक रुख अपनाए। जब तक पाकिस्तान को उसकी ही भाषा में जवाब नहीं मिलेगा, वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आएगा। एलओए पर आतंकी लॉन्च पैड्स को ध्वस्त करने से लेकर पाकिस्तान की सैन्य संरचनाओं पर लक्षित कार्रवाई – ये सब अब रणनीतिक प्राथमिकता होनी चाहिए।

इसके साथ ही भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को बेनकाब करने का अभियान छेड़ना चाहिए। एफएटीएफ में उसे ब्लैकलिस्ट कराने से लेकर ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र तक, हर मंच पर पाकिस्तान की असलियत को उजागर करना होगा। भारत को दुनिया को यह बताना होगा कि यह देश केवल अपने नागरिकों का ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता का दुश्मन है। इसके अलावा आर्थिक मोर्चे पर भी पाकिस्तान को घेरना होगा। सभी प्रकार के द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध समाप्त किए जाएं। पाकिस्तान की आर्थिक सहायता पर प्रतिबंध लगवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव डाला जाए। जिस देश की सरकार और सेना आतंकवाद को प्रोत्साहन देती है, उसे एक भी डॉलर की सहायता नहीं मिलनी चाहिए।

भारत के लिए अब यह समय है कि वह जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक युद्ध की घोषणा करे। आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" नीति लागू हो। कश्मीर के युवाओं को कट्टरपंथ से दूर रखकर उन्हें विकास और शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। यह समझना जरूरी है कि यह केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है। यह 142 करोड़ भारतीयों का साझा संघर्ष है। जब तक हम सब एकजुट होकर इस आतंकवाद के स्रोत को जड़ से समाप्त करने का संकल्प नहीं लेते, तब तक कोई समाधान संभव नहीं। पाकिस्तान की फौज और उसके प्यादे चाहे जितनी भी साजिशें कर लें, यदि भारत के लोग एक स्वर में कहें कि अब और नहीं – तो इतिहास बदला जा सकता है। अब समय आ गया है कि भारत सरकार अपने कूटनीतिक और सैन्य विकल्पों पर पुनः विचार करे। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश देना जरूरी है कि भारत अब हर एक जान का हिसाब मांगेगा – और वह हिसाब अब गोलियों से लिया जाएगा, कड़ी निंदा से नहीं। यदि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और गर्वित भारत देना है, तो हमें अब यह तय करना होगा कि पाकिस्तान का इलाज सिर्फ बयानबाजी से नहीं होगा। उसका इलाज अब निर्णायक, ठोस और स्थायी कार्रवाई से ही संभव है। अब पाकिस्तान को बख्शना नहीं है। उसे हर मोर्चे पर पराजित करना है – सैन्य, आर्थिक, कूटनीतिक और मानसिक। यही एकमात्र उपाय है जिससे भारत के निर्दोष नागरिकों के खून की कीमत चुकाई जा सकती है। यही वह समय है जब पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थायी इलाज होना चाहिए–ताकि आने वाले वर्षों में फिर किसी बैसरन, किसी वंदहामा, किसी पुलवामा का नाम न लेना पड़े।

ये पीला पानी पिघला देगा नसों में चिपका गंदा कोलेस्ट्रॉल

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर में बढ़ रहा खराब कोलेस्ट्रॉल हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियां पैदा करता है। कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए असरदार घरेलू उपाय है ये पीला पानी, जिसे पीने से गंदा कोलेस्ट्रॉल नेचुरली कम होने लगेगा। हाई कोलेस्ट्रॉल कितना घातक हो सकता है इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि शरीर में बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल हार्ट अटैक का सबसे बड़ा खतरा पैदा करता है। इसलिए हाई कोलेस्ट्रॉल को हल्के में कतई न लें। आपकी जरा सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। हाई कोलेस्ट्रॉल को डाइट और कुछ उपायों से भी कंट्रोल किया जा सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल में पीले बीज का पीला पानी फायदेमंद साबित होता है। जी हां सुबह खाली पेट मेथी के दाने वाला पीला पानी पीने से कोलेस्ट्रॉल को

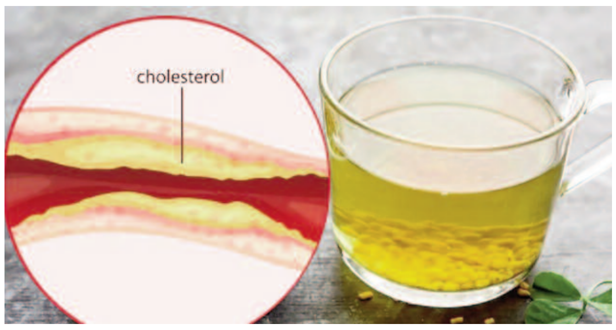

कम किया जा सकता है। जानिए कब और कैसे और कब पीना चाहिए मेथी के बीज का पानी? न्यूट्रीशियन, वेट लॉस कोच और कीटो डाइटिशियन स्वाति सिंह के अनुसार शरीर में बढ़ रहे बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मेथी के बीज असरदार साबित हो सकते हैं। इसकी वजह मेथी के बीज में पाए जाने वाले असरदार गुणों को माना जाता है। दरअसल मेथी के बीज में भरपूर फाइबर होता है। जिससे नसों में जमा हो चुका बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम किया जा सकता है। कई रिसर्च में भी ये बात सामने आ चुकी है कि मेथी के बीज और उसका पानी शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स हानिकारक फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। कुछ दिनों तक रोजाना मेथी का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा भी कम किया जा सकता है। मेथी के बीज का पानी वजन घटाने से लेकर डायबिटीज कंट्रोल करने तक में मदद करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए आप कई तरह से मेथी का सेवन कर सकते हैं। सबसे आसान तरीका है कि आप मेथी का पानी पी लें। मेथी का पानी बनाने के लिए आपको रात में ही 1 चम्मच मेथी के बीज 1 गिलास पानी में भिगो देने होंगे। सुबह उठकर इस पानी को हल्का गुनगुना कर लें। पानी को छान लें और मेथी को निकालकर फेंक दें। आप चाहें तो मेथी के दानों को स्प्राउट्स की तरह चबाकर भी खा सकते हैं। इस तरह मेथी खाने और मेथी का पीला पानी पीने से हफ्तेभर में ही हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। इस तरह पानी पीने से वजन घटाने में भी मदद मिलेगी और डायबिटीज को भी कंट्रोल किया जा सकता है।

काजू—बादाम से भी ज्यादा दमदार है ये ड्राई फ्रूट

यूनिक समय, नई दिल्ली। हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर काजू और बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स का सेवन करने की सलाह देते हैं। आप भी काजू और बादाम से मिलने वाले कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे जानते ही होंगे। लेकिन क्या आप एक ऐसे ड्राई फ्रूट के बारे में जानते हैं जो काजू और बादाम से भी ज्यादा पावरफुल साबित हो सकता है। इस ड्राई फ्रूट का नाम मैकाडामिया नट्स है। शरीर में पैदा हुई खून की कमी को दूर करने के लिए आप मैकाडामिया नट्स कंज्यूम कर सकते हैं। मैकाडामिया नट्स में आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो खून बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। इसके अलावा इस ड्राई फ्रूट में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आपको बता दें कि दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए भी मैकाडामिया नट्स का सेवन किया जा सकता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से

मैकाडामिया नट्स को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाते हैं, तो ये ड्राई फ्रूट आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मैकाडामिया नट्स को रेगुलरली कंज्यूम कर आप अपनी ब्रेन हेल्थ को भी काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। बढ़ती उम्र के साथ अक्सर लोगों की हड्डियों कमजोर होने लगती हैं। अपनी हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए आप मैकाडामिया नट्स को अपने डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं क्योंकि इस ड्राई फ्रूट में कैल्शियम की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं मैकाडामिया नट्स आपकी वेट लॉस जर्नी को भी काफी हद तक आसान बना सकते हैं।

हर रोज ऐसे खाएं आंवला, कम हो जाएगा साइलेंट किलर का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आप आंवला खाने के सही तरीके के बारे में जानते हैं? अगर आप घर पर इस तरह से आंवला कैंडी बनाकर खाएंगे, तो आप डायबिटीज जैसी बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। आयुर्वेद के मुताबिक आंवला में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। अगर आप आंवला के साथ कुछ नेचुरल चीजों को मिलाकर आंवला कैंडी बनाकर कंज्यूम करते हैं, तो आप इसके हेल्थ बेनिफिट्स को कई गुना बढ़ा सकते हैं। हर रोज सुबह—सुबह खाली पेट नियम से आंवला कैंडी खाएं और महज एक ही महीने के अंदर खुद—ब—खुद पॉजिटिव असर देखें। आंवला कैंडी बनाने के लिए आंवला को धोकर अच्छी तरह से सुखा लीजिए। अब आंवला के छोटे—छोटे टुकड़े कर लीजिए। इसके बाद एक कटोरे में कटे हुए आंवला डालकर इसमें एक स्पून शहद को मिला लीजिए। इस मिक्सचर को रात भर के लिए रेस्ट करने दीजिए। अगली सुबह इसके ऊपर काली मिर्च पाउडर बुरक लीजिए और सभी चीजों को मिला लीजिए। आप इस आंवला कैंडी को लगभग दो हफ्तों तक स्टोर करके भी रख सकते हैं। अगर आप हर रोज खाली पेट इस आंवला कैंडी का सेवन करते हैं, तो आप डायबिटीज जैसी लाइलाज बीमारी के खतरे को कम कर सकते हैं। जिन लोगों को डायबिटीज है, वो औषधीय गुणों से भरपूर इस कैंडी का सेवन कर अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं। आंवला कैंडी डायबिटीज को मैनेज करने में भी कारगर साबित हो सकती है। आंवला, शहद और काली मिर्च से बनी इस कैंडी को कंज्यूम कर इम्यून सिस्टम को बूस्ट किया जा सकता है। सर्दियों में बार—बार बीमार पड़ने से बचने के लिए हर रोज सुबह आंवला कैंडी का सेवन करना शुरू कर दीजिए। इसके अलावा घर पर बनाई गई इस आंवला कैंडी की मदद से बॉडी को डिटॉक्स भी किया जा सकता है। कुल मिलाकर आंवला कैंडी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

विटामिन सी और आयरन से भरपूर है अनार का जूस

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर, आप अपनी मांसपेशियों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो अनार के जूस का सेवन आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।चलिए, जानते हैं कैसे? अनार एक ऐसा फल है जो सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। इस फल में मौजूद विटामिन, मिनिरल्स और पॉलीफेनोल को देखते हुए डॉक्टर भी इसे खाने की सलाह देते हैं। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन के और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं जो सेहत के लिहाज से कई प्रकार से फायदेमंद हैं। इसमें कुछ ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स होते हैं जो दिल की सेहत से लेकर नसों और मांसपेशियों के लिए कारगर तरीके से काम कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी नसों और मांसपेशियों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो अनार के जूस का सेवन आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।चलिए, जानते हैं कैसे? अनार में मौजूद एलेगिटैनिन्स नामक पॉलीफेनोल्स एंटीऑक्सीडेंट शरीर की सूजन को कम करते हैं। ये सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाते हैं और नसों को ताकत देते हैं। इसका मैग्नीशियम नसों और मसल्स को बेहतर बनाने में मददगार है। अनार शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन के स्तर को कम कर, मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाता है। इसके अलावा इसमें मौजूद आयरन शरीर में खून की कमी भी दूर करता है और मांसपेशियों के काम काज को बेहतर बनाता है। अनार का जूस कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर और हृदय स्वास्थ्य का भी ख्याल रखता है। हाई एंटीऑक्सीडेंट गुण से भरपूर इस फल का जूस शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। विटामिन सी से भरपूर होनर की वजह से यह फलों रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसी तरह, ऑक्सीकरण स्ट्रेस को कम कर यह त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। अनार का जूस आप खाना खाने के पहले और नाश्ते के बाद करें। ऐसा करने से आपको ज़्यादा फायदा मिलेगा। यानी दिन में 1 बार इस फल का जूस जरूर पिएं। कोशिश करें कि ताजा जूस निकालकर पिएं।

हर दिन एक गिलास दूध पीकर इस कैंसर से बच सकते हैं आप

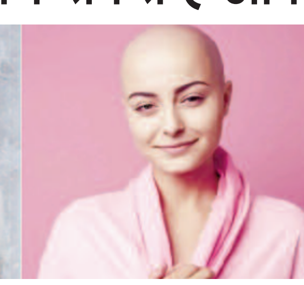

यूनिक समय, नई दिल्ली। कैंसर के बढ़ते मामले वाकई में चिंता का विषय हैं। क्या आप जानते हैं कि हर रोज एक ग्लास दूध पीकर आप कोलोरेक्टल कैंसर के खतरे को कम कर सकते हैं? दूध में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि दूध की मदद से कैंसर के खतरे को भी कम किया जा सकता है। कोलोरेक्टल कैंसर की वजह से हर साल लाखों लोगों की सेहत बुरी तरह से प्रभावित होती है। हालांकि, सही तरह के आहार के साथ कोलोरेक्टल कैंसर को डेवलप होने से रोका जा सकता है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में हाल ही में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक डेली डाइट में एक ग्लास दूध शामिल करने से कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा कम हो सकता है। आपको बता दें कि ये स्टडी 5,42,778 ब्रिटिश महिलाओं पर 16 साल से भी ज्यादा समय तक की गई है। इस स्टडी के दौरान उनके खान—पान की आदतों और स्वास्थ्य परिणामों पर नजर रखी गई। इस स्टडी के अनुसार दूध कैंसर के खिलाफ सुरक्षा कवच की तरह काम कर सकता है। शरीर के अंदर कैंसर सेल्स को पैदा होने से रोकने के लिए कैल्शियम का पर्याप्त सेवन करना फायदेमंद साबित हो सकता है। ऐसा देखा गया कि जिन महिलाओं ने ज्यादा कैल्शियम रिच फूड आइटम्स का सेवन किया, उनमें कोलोरेक्टल कैंसर होने की संभावना कम थी। अगर आप चाहें तो दूध की जगह कुछ और कैल्शियम रिच चीजों को भी अपने डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं। पेट में अक्सर दर्द महसूस होना या फिर कम भूख लगना, कोलोरेक्टल कैंसर की तरफ इशारा कर सकता है। अगर आपका वजन अचानक से घटने लगा है, तो भी आपको सावधान हो जाना चाहिए। कमजोरी महसूस होना इस कैंसर के लक्षणों में से एक हो सकता है। अगर आपको इस तरह के लक्षण एक साथ महसूस हो रहे हैं, तो आपको इन्हें नजरअंदाज करने की गलती नहीं करनी चाहिए।

किशमिश को रोज दूध में भिगोकर खाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपने कभी किशमिश को दूध में भिगोकर कंज्यूम किया है? आइए दूध के साथ किशमिश का सेवन करने के कुछ जबरदस्त हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं। किशमिश में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। वहीं, दूध भी आपकी सेहत पर ढेर सारे पॉजिटिव असर डाल सकता है। लेकिन क्या आपने कभी इन दोनों नेचुरल चीजों को एक साथ कंज्यूम करने के बारे में सोचा है? इन दोनों चीजों का कॉम्बिनेशन सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध और किशमिश आपकी हार्ट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो

सकते हैं। दूध में किशमिश को भिगोकर खाने से आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इसके अलावा ये कॉम्बिनेशन आपके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में असरदार साबित हो सकता है। किशमिश और दूध मिलकर आपके खून को साफ करने में भी मददगार साबित हो सकते हैं। दूध में किशमिश को भिगोकर कंज्यूम करने से आप अपनी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। कब्ज और एसिडिटी जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप एक साथ इन दोनों चीजों का सेवन कर सकते हैं।

दूध में भीगी हुई किशमिश को कंज्यूम

दूर हो जाएंगी सेहत से जुड़ी ये समस्याएं

कर आप अपने एनर्जी लेवल्स को भी काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। दूध और किशमिश, दोनों में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मददगार साबित हो सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए रात में सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में मुट्ठी भर किशमिश को भिगोकर छोड़ दीजिए। अगली सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश को दूध के साथ खा लीजिए। महज एक महीने के अंदर आपको अपनी सेहत पर पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुविचार

अपने उसूल इतने कमजोर न रखो कि समय का दीपक उसे खोखला कर दे।

कल का पंचांग

तिथि चतुर्थी	02:12-11:23 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र मृगशीर्षा	04:18-02:20 तक	माह	वैशाख
सूर्योदय	5:44 AM	चन्द्रोदय	08:24 AM
सूर्यास्त	6:48 PM	चंद्रास्त	11:12 PM
सूर्य राशि	मेष राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त	11:50AM –12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:08-04:56
त्योहार/व्रत	अक्षय तृतीया	विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	01:54PM–03:32PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

इन राशियों के लोग होते हैं मल्टी टैलेंटेड

अपनी योग्यता से पाते हैं हर क्षेत्र में सफलता

यूनिक समय, नई दिल्ली। ज्योतिष में कुछ ऐसी राशियों का जिक्र मिलता है जिनको मल्टी टैलेंटेड माना जाता है। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में जानकारी देंगे। आपने कुछ ऐसे लोग जरूर देखे होंगे जिनको कई चीजों में महारत हासिल होती है। ज्योतिष शास्त्र की मानें तो राशिचक्र में भी कुछ ऐसी राशियां हैं जिनको मल्टी टैलेंटेड माना जाता है। ये लोग अपनी इसी योग्यता के चलते जीवन के अलग–अलग क्षेत्रों में सफल हो सकते हैं। आइए जानते हैं ये राशियां कौन–कौन सी हैं।

मिथुन : द्विस्वभाव राशि मिथुन के जातक बोलचाल और तर्क–वितर्क करने में तो अच्छे होते ही हैं, साथ ही कई अन्य गुण भी इनमें देखने को मिल सकते हैं। इस राशि के लोग गायन, वादन में अच्छे हो सकते हैं। इनके यही गुण इन्हें लोगों के बीच चर्चित बना सकते हैं। इनकी वाणी में आप तेज देख सकते हैं क्योंकि इनको कई क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त होता है। इस राशि के लोग मल्टी टैलेंटेड होने के साथ ही मल्टी टास्क करने वाले भी माने जाते हैं। हालांकि कई बार बातचीत के दौरान ये अपनी हदों से आगे भी निकल सकते हैं, इसलिए वाणी को थोड़ा कंट्रोल में रखना इनको सीखना चाहिए।

सिंह : सिहं राशि के लोग अच्छे नेतृत्व करने वाले माने जाते हैं। एक अच्छे लीडर के पास अलग–अलग क्षेत्रों की जानकारी होना उसका सकारात्मक पक्ष होता है, और ये गुण सिंह राशि वालों में कूट कूटकर भरा होता है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से ये कुछ न कुछ अवश्य सीखते हैं। आप इनको खेल के मैदानों में भी देख सकते हैं, अच्छा संगीत बजाते भी पा सकते हैं और साथ ही किसी प्रशासनिक कार्यालय में भी काम करते देख सकते हैं। इनके अच्छे पक्षों में से एक ये भी है कि, अपने लिए कभी भी ये सीमित दायरे नहीं बनाते और इसीलिए ये मल्टी टैलेंटेड होते हैं।

धनु : धनु राशि के लोग जुझारू और नयी चीजें सीखने के मामले में सबसे अव्वल होते हैं।

इनको एक बार किसी चीज में इंट्रेस्ट आया तो उसे सीखने के लिए ये दिन रात एक कर सकते हैं। हालांकि एक बार किसी चीज को सीखने के बाद उससे बोर भी ये बहुत जल्दी हो सकते हैं।

फिर भी चीजों को सीखने का इनका गुण इन्हें कई कलाओं में महारत प्रदान करता है। मल्टी टैलेंटेड लोगों की लिस्ट में ये पहले नंबर पर आ सकते हैं। जब इस राशि वाले किसी एक चीज पर फोकस करते हैं तो जीवन में इन्हें बड़ी कामयाबियां मिलती हैं। इस राशि के लोग स्पोर्ट्स में काफी अच्छे माने जाते हैं।

कुंभ : कुंभ राशि के लोग स्वतंत्र विचार वाले और बुद्धिमान होते हैं। किसी भी चीज को सीखने में बहुत अधिक समय इनको नहीं लगता। इनका यही गुण इन्हें मल्टी टैलेंटेड बनाता है। हालांकि कई बार इनका आलस्य इन्हें कई चीजों का जानकार होने के बाद भी पीछे कर सकते हैं, इसलिए थोड़ा एक्टिव इनको रहना चाहिए। अपने योग्यता और कला कौशल से इस राशि के जातकों को सामाजिक स्तर पर बड़ी कामयाबी मिल सकती है।

समाज में मान–सम्मान पाने के लिए पुरुष गुप्त रखें अपने ये राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आचार्य चाणक्य का नाम विश्व के महान विद्वान, बुद्धिमान, राजनीतिज्ञ और कूटनीतिज्ञ में आता है। माना जाता है कि उनके पास मनुष्य जीवन से जुड़ी हर एक परेशानी का समाधान होता था। उन्होंने अपने इसी ज्ञान से चाणक्य नीति शास्त्र की रचना की थी, जिसमें उन्होंने हर एक समस्या के समाधान के बारे में बताया है। आज हम आपको चाणक्य नीति शास्त्र में उल्लेख पुरुषों के उन 5 गुप्त राज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो भूलकर भी उन्हें किसी को नहीं बताने चाहिए। नहीं तो समाज में उन्हें शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है।

दुख : आचार्य चाणक्य ने बताया है कि पुरुषों को अपने दुखों को हमेशा गुप्त रखना चाहिए। खास से खास दोस्त को भी कभी अपने दुख के बारे में नहीं बताना चाहिए, नहीं तो इससे आपको कभी न कभी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है।

कमजोरी : चाणक्य ने बताया है कि व्यक्ति को कभी भी अपनी कमजोरी के बारे में किसी को नहीं बताना चाहिए। खासतौर पर ऑफिस में काम करने वाले साथियों या बॉस को। इससे वो लोग काम के बहाने आपकी कमजोरी का मजाक उड़ा सकते हैं। इससे न चाहते हुए भी कभी–कभार आपको अपमान का सामना करना पड़ सकता है।

अपमान : हर एक व्यक्ति की जिंदगी में कभी न कभी एक ऐसा पल आता ही है, जब उसे अपमान का सामना करना पड़ता है। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति को अपने अपमान के बारे में कभी भी बात नहीं करनी चाहिए। मजाक में भी अपने अपमान की बात किसी को नहीं बतानी चाहिए, नहीं तो इससे आपके मान–सम्मान पर प्रभाव पड़ सकता है।

कमाई : आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में बताया है कि पुरुषों को अपनी कमाई के बारे में कभी भी किसी को नहीं बताना चाहिए।

संबंध : चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में बताया है कि पुरुषों को कभी भी उनके संबंध के बारे में सामाजिक तौर पर बात नहीं करनी चाहिए। खासतौर पर पत्नी और उनकी निजी बातें, लड़ाई या परेशानियों के बारे में।

शगुन में 51,101 या 501 रुपये देना ही शुभ क्यों है?

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर आपने देखा होगा या किया भी होगा कि जब भी शादी, गृह प्रवेश, मुंडन आदि शुभ कार्यों और खास अवसरों पर किसी को शगुन में रुपये या शगुन के लिफाफे दिए जाते हैं, तो उनमें 11, 21, 51, 101 या 501, या फिर सम यानी पूर्णांक संख्या से एक रुपया अधिक होता है। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि इस चलन के पीछे धार्मिक और सांस्कृतिक कारण क्या हैं? यह रिवाज है, तो क्यों है? यदि यह शुभ है, तो क्यों है?

हिन्दू धर्म में शगुन के तौर पर +1 को अधिकतम शुभता का प्रतीक माना गया है। 21, 51, 101, 501, 1001 आदि को अधिकतम शुभ और अनुकूल संख्या मानी जाती है, जो भाग्योदय में सहायक होती हैं।

जब कोई किसी शुभ कार्य में +1 रुपया शगुन देते हैं, तो उसमें यह शुभकामना निहित होती है कि जो भी दिया है, जितना भी दिया है, वह आपके जीवन में हर चीज में हमेशा एक अंक आगे हो और यह आपकी जिंदगी संवार देने में आपके लिए सहायक हो। दरअसल, इनमें सांस्कृतिक रूप में शुभता और समृद्धि के साथ सुरक्षा की कामना निहित होती हैं।

हिन्दू धर्म में धातु के एकल सिक्के को, चाहे वह स्वर्ण मुद्रा के रूप में हो या वर्तमान में एक रुपये के रूप, इनमें धन की देवी लक्ष्मी का वास होता है। मान्यता है कि शगुन में एक रुपये का सिक्का देने से लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जो सुख–समृद्धि लाता है। साथ ही, 11, 21, 51, 101 या 501 जैसी संख्याएं प्रतीकात्मक और शुभ मानी गई हैं।

हिन्दू धर्म में पूर्णांक राशि, जैसे 100, 200, 500 आदि देना अशुभ माना गया है। इन्हें पूर्णता और समाप्ति का प्रतीक माना गया है, जो नई शुरुआत के लिए अवसर नहीं देती हैं। यही कारण है कि इन पूर्णांक राशियों में +1 यानी एक रुपया बढ़ाकर नकारात्मकता दूर करने की परंपरा है।

प्रमोशन और आमदनी में चाहते हैं वृद्धि तो करें इस ग्रह को मजबूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अच्छी जॉब और आमदनी की कामना हर व्यक्ति करता है। हालांकि हर किसी को आसानी से न नौकरी मिलती है और ना ही अच्छा पैसा। कई लोग कड़ी मेहनत करने के बाद भी करियर क्षेत्र में प्रमोशन नहीं पाते और आमदनी में वृद्धि के लिए भी जूझना पड़ता है। अगर आप भी इन्हीं लोगों में से एक हैं तो कुंडली का एक ग्रह आपकी इन सभी समस्याओं को सुलझा सकता है। आपको बस इस ग्रह से जुड़े उपाय आजमाने हैं। साथ ही करियर से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण ज्योतिषीय जानकारियां भी हम आपको अपने इस लेख में देंगे।

ज्योतिष के अनुसार कुंडली का दसवां भाव आपके करियर को निर्धारित करता है। इस घर की स्थिति जितनी अनुकूल होगी करियर के क्षेत्र में भी आपको उतने ही अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। अगर इस भाव पर शुभ ग्रहों की दृष्टि है तो समझ जाइए आप एक स्थाई नौकरी पाएंगे, समय–समय पर आपकी पदोन्नति भी होगी और आमदनी भी बढ़ेगी। दसवें भाव का संबंध अगर लग्न से किसी भी प्रकार से हो तो, ऐसे लोगों का करियर भी हमेशा संतुलित देखा गया है। वहीं दसवें भाव पर अगर पाप ग्रहों की दृष्टि हो या इस भाव का स्वामी अच्छी स्थिति में न हो तो आपको करियर में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोग कड़ी मेहनत करने के बाद भी उन ऊंचाइयों को छूने में नाकाम हो सकते हैं, जिन्हें ये छूना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में आपको किस ग्रह को मजबूत करना चाहिए आइए विस्तार से जानते हैं।

उंचे पद पाने के लिए इस ग्रह को करें मजबूत– अगर आपको करियर से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है तो ग्रहों के

राजा सूर्य को प्रसन्न करना होगा। ऐसा माना जाता है कि सूर्य को मजबूत करने से अन्य ग्रह भी अच्छे परिणाम देने लग जाते हैं। स्वाभाविक है, अगर राजा मजबूत होगा तो उसकी प्रजा भी मजबूत होगी, उसके मंत्री भी मजबूत होंगे। ऐसे में सूर्य को मजबूत करके आप करियर में मनचाही सफलता पा सकते हैं। खासकर उन लोगों को सूर्य की उपासना करनी चाहिए जो उंचे पदों तक पहुंचना चाहते है, बॉस बनना चाहते हैं। सूर्य के उपाय करने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और आपको मान–सम्मान की भी प्राप्ति होती है। सूर्य को मजबूत करने के लिए आपको सूर्य से जुड़े उपाय आजमाने चाहिए। सूर्य को रोजाना जल का अर्घ्य देकर आप सूर्य के अच्छे फल प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही रविवार के दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ और गेहूं, गुड़, स्वर्ण आदि का दान करने से भी सूर्य कुंडली में मजबूत होता है। वैसे तो सूर्य को मजबूत करने मात्र से ही आपके करियर की सारी परेशानियां दूर हो सकती हैं, लेकिन कुछ अन्य ग्रह भी आपको करियर के क्षेत्र में सफलता दिलाने वाले साबित होते हैं। साहसिक क्षेत्र में सफलता के लिए करें इस ग्रह को मजबूत– वहीं जो लोग सेना, पुलिस या किसी भी साहसिक कार्य में अच्छे परिणाम पाना चाहते हैं उन्हें मंगल ग्रह को मजबूत करना चाहिए। मंगल के उपाय करने से ऐसे लोगों को करियर में उन्नति प्राप्त होती है। अगर आप नेतृत्व के गुण को खुद में विकसित करना चाहते है मंगल की उपासना करने से आपको लाभ मिलता है। मंगल के प्रभाव से आपकी कार्यक्षमता का विकास भी होता है। मंगल को मजबूत करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ आपको करना चाहिए। कार्यक्षेत्र में अच्छे बदलाव के लिए करें इस ग्रह को मजबूत– वहीं जिन लोगों को कार्यक्षेत्र में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, अच्छा कार्य करके भी आगे बढ़ नहीं पाते, कार्यक्षेत्र में विरोधी काम बिगाड़ते हैं, उन्हें शनि देव को प्रसन्न करना चाहिए। शनि को प्रसन्न करके ऐसे लोग करियर में प्रगति कर सकते हैं।

आईसीएसई बोर्ड में लखनऊ के मेधावियों का जलवा

यूनिक समय, लखनऊ। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने बुधवार 30 अप्रैल 2025 को 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे घोषित कर दिए। इस बार लखनऊके होनहार छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर पूरे शहर को गौरवान्वित किया है। राजधानी से बड़ी संख्या में छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं।

आईसीएसई की कक्षा 10वीं की परीक्षा में आद्या चौहान और पलक राज ने 99.6 फीसदी अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वहीं, 12वीं की परीक्षा में आठ मेधावी छात्रों – वेदिका वत्स, त्वेशा गर्ग, समर्थ द्विवेदी, प्रणव सूरी, आशीष शुक्ला, श्रेया वर्मा, गौरिका लूथरा और आरुषि सिंह चौहान – ने संयुक्त रूप से 99.75 प्रतिशत अंक हासिल कर कीर्तिमान रच दिया।

लखनऊ में इस वर्ष करीब 22 हजार छात्र–छात्राएं आईसीएसई और आईएससी की परीक्षाओं में पंजीकृत थे। उनमें से

आठ छात्रों ने 99 .75% अंक हासिल कर रचा कीर्तिमान

कई छात्रों ने 99 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त कर राजधानी के शैक्षिक स्तर को नई ऊंचाई दी है।

छात्रों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से न केवल अभिभावक और शिक्षक गौरवान्वित हैं, बल्कि शिक्षा जगत में भी लखनऊ की धाक और मजबूत हुई है। स्कूलों में जश्न का माहौल है और सफलता की यह लहर आने वाले छात्रों के लिए प्रेरणा बन रही है।

कार को हेलीकॉप्टर का रूप देना पड़ा महंगा

पुलिस ने किया सीज, 30 हजार का चालान

यूनिक समय, प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के पट्टी क्षेत्र में एक अजीबो–गरीब मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपनी सैंट्रो कार को मॉडिफाई कर हेलीकॉप्टर जैसा बना दिया। यह अनोखी कार मुख्य रूप से शादी–ब्याह में दूल्हे की सवारी के लिए बुक की जाती थी। लेकिन पुलिस की नजर पड़ते ही मामला कानून तक जा पहुंचा।

जानकारी के अनुसार, जौनपुर जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के लोहिंदा निवासी राज नारायण ने अपनी सैंट्रो कार को भारी रूप से मॉडिफाई करके उसे हेलीकॉप्टर का रूप दे दिया था। मंगलवार रात पट्टी कोतवाली के कोतवाल अवन कुमार दीक्षित गश्त के दौरान बंधवा बाजार में थे, तभी उन्होंने हेलीकॉप्टर जैसी दिखने वाली कार को देखा। कार को रोहिड़ा निवासी दिनेश कुमार पटेल चला रहा था। पुलिस के पहुंचते ही चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार को थाने लाकर सीज कर दिया और मोटर वाहन अधिनियम के तहत 30 हजार रुपये का चालान भी काटा। कोतवाल दीक्षित ने बताया कि ऐसे मॉडिफाइड और आर्टिफिशियल वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 18 से 20 बुलेट बाइकों पर भी कार्रवाई की जा चुकी है, जिनके साइलेंसर से अत्यधिक शोर होता था। कोतवाल ने बताया कि इस प्रकार के मॉडिफिकेशन न केवल अवैध हैं, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। फरार चालक की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद में दो दर्दनाक सड़क हादसे

एक ही दिन में चार मौतें, तीन घायल

यूनिक समय, मुरादाबाद। मुरादाबाद जिले में बुधवार को दो अलग–अलग सड़क हादसों ने चार लोगों की जान ले ली और तीन अन्य को घायल कर दिया। इन घटनाओं ने न केवल दो परिवारों को उजाड़ दिया, बल्कि क्षेत्र में शोक और रोष का माहौल पैदा कर दिया।

पहला हादसा ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के गांव खाई खेड़ा नहर मार्ग पर तड़के सुबह हुआ, जहां एक शादी समारोह से लौट रहे परिवार की ऑल्टो कार को तेज रफ्तार लकड़ी लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक दुर्घटना में बिजनौर जिले के फिना रामपुर निवासी कविराज, उनकी पत्नी मंजू और दस वर्षीय बेटी अराध्या की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार अन्य तीन लोग - तासु पुत्री सतीश (निवासी लोदीपुर), कविराज का बेटा लक्ष्य और एक अन्य व्यक्ति जानू घायल हो गए।

पुलिस ने ट्रैक्टर–ट्रॉली को कब्जे में लेकर फरार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। ग्रामीणों ने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए ट्रैक्टर चालकों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

दूसरी घटना सोमवार रात को थाना भोजपुर क्षेत्र के गांव आटा के पास हुई, जहां मामा की शादी से लौट रहे महेंद्र (32) की बाइक एक सड़क पार कर रही महिला से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि महेंद्र की बाइक पेड़ से जा भिड़ी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला की हालत गंभीर है और उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है।

महेंद्र, जो चंदौसी के मुरादाबाद गेट पर एक रेस्टोरेंट में कारीगर के रूप में काम करता था, अपने परिवार के साथ मोहल्ला गोलागंज में किराए पर रहता था। इन हादसों ने जिले को झकझोर कर रख दिया है और सवाल उठाए हैं कि आखिर सड़क सुरक्षा के उपाय इतने लचर क्यों हैं?

अलग–अलग हादसों में चार युवकों की मौत, दो घायल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में मंगलवार देर रात दर्दनाक हादसों की श्रृंखला में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

पहली घटना हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र के देवरनिया गांव के अजय वर्मा (30) की है, जो बाइक से अपनी ससुराल सोनवा जा रहे थे। चंदन कोटिया गांव के पास ट्रैक्टर–ट्रॉली से टक्कर होने पर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले सीएचसी मल्हीपुर और फिर जिला अस्पताल भिनगा रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

दूसरी घटना सिरसिया क्षेत्र में हुई, जहाँ अमर लाल राजभर (20) और संजय राजभर (22) एक बारात में शामिल होने के लिए बाइक से वीरपुर जा रहे थे। रास्ते में केन नाला पुल और अंटा तिराहे के बीच उनकी बाइक एक ट्रॉली से जा टकराई। दोनों को गंभीर हालत में भिनगा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

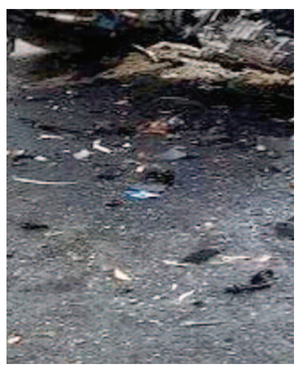

तीसरी घटना में सिरसिया के बेचई पुरवा गांव निवासी टेंट हाउस संचालक भीमसेन (32) अपने साथियों के साथ धर्मतापुर में टेंट लगा रहा था।

तभी टेंट की पाइप हाईटेंशन लाइन से छू गई, जिससे भीमसेन, सुरेश और भोले करंट की चपेट में आ गए। भीमसेन की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि संतोष का इलाज जारी है और भोले को निजी डॉक्टर के पास ले जाया गया है।

पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अमेठी के दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी

ऑर्डिनेंस फैक्टरी और ओपन हार्ट सर्जरी थिएटर का किया निरीक्षण

यूनिक समय, लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार का दिन रायबरेली में बिताने के बाद बुधवार को अमेठी पहुंचे। जहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सेदारी की। उनके आगमन से कांग्रेस कार्यकर्ता काफी उत्साहित नजर आए।

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद लगभग दस महीने के लंबे अंतराल के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचे। दौरे के दौरान राहुल गांधी का जगह–जगह भव्य स्वागत हुआ और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखने को मिला। उन्होंने कोरवा स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में निर्मित हथियारों का निरीक्षण किया और मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल परिसर में ओपन हार्ट सर्जरी ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया।

राहुल गांधी का काफिला सबसे पहले अमेठी के कोरवा स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी पहुंचा। जहां उन्होंने फैक्टरी में

बन रहे घरेलू हथियारों और तकनीकी उपकरणों की जानकारी ली। फैक्टरी अधिकारियों ने उन्हें उत्पादन प्रक्रिया और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी दी।

संजय गांधी अस्पताल में हृदय रोगियों को मिलने वाली सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद राहुल गांधी मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने ओपन हार्ट सर्जरी ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को लखनऊ या अन्य शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अमेठी में ही अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

राहुल गांधी ने जिले के सीनियर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक पार्टी को सक्रिय करें और ऐसे लोग आगे आएं जो समय देकर संगठन को मजबूती प्रदान कर सकें। फुरसतगंज के उसरहा बाबा चौराहे पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंगला के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। उन्होंने जैसे ही बैंड बजने की आवाज सुनी, स्वयं रुककर उसे बंद करवाया और कार्यकर्ताओं से हालचाल लिया। इसके साथ जायस, गौरीगंज सहित अन्य स्थानों पर राहुल गांधी का भव्य स्वागत हुआ। जायस कस्बे में काफिला रुकने पर राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से मिलने के साथ ही जब बच्चों ने उन्हें देखा और दौड़े तो उन्होंने काफिला रोककर बच्चों को टॉफी भेंट की। बच्चों ने मुस्कुराते हुए उनका आभार जताया। पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आशीष शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी का यह दौरा न केवल जनहितकारी रहा बल्कि स्वास्थ्य और संगठन दोनों दृष्टियों से ऐतिहासिक रहा। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देवमणि तिवारी ने भी दौरे को संगठन के पुनर्जागरण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

पीएम मोदी की आपत्तिजनक तस्वीर पर भड़के यूपी विधानसभा अध्यक्ष

बोले– सेना का मनोबल तोड़ने की साजिश

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बुधवार को कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करने को राष्ट्रविरोधी मानसिकता का परिणाम बताया। उन्होंने इसे न केवल असंवैधानिक बताया, बल्कि इसे देश की सेना का नैतिक बल (मॉरल) कमजोर करने की साजिश करार दिया।

पत्रकारों से बातचीत में सतीश महाना ने कहा कि प्रधानमंत्री किसी भी दल का हो, इस प्रकार की तस्वीरें प्रसारित करना न केवल मर्यादा के खिलाफ है, बल्कि इससे देशविरोधी तत्वों को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें अलगाववादियों और कट्टरपंथियों की मानसिकता को प्रोत्साहन देती हैं। महाना ने कहा कि पहलगाम में हुए हमले के बाद कुछ विपक्षी नेता जिस तरह के बयान दे रहे हैं, उससे प्रतीत होता है कि पाकिस्तान का काम अब देश के अंदर बैठे कुछ लोग ही कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि विपक्ष को आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन उसका स्तर और तरीका संविधान के दायरे में होना चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि इस प्रकार की पोस्ट करने के बाद उसे हटाने का कोई अर्थ नहीं रह जाता क्योंकि इससे असली मंशा उजागर हो चुकी होती है। धार्मिक आधार पर हत्या की घटनाओं पर विपक्ष द्वारा सवाल उठाने पर महाना ने पलटवार करते हुए कहा कि 2014 से पहले जम्मू–कश्मीर में ऐसी घटनाएं आम थीं, और तब की सरकारें उन्हें केवल शांति प्रक्रिया में बाधा बताकर टाल देती थीं। जबकि अब प्रधानमंत्री ने विदेश दौरा बीच में छोड़कर सख्त कार्रवाई की मिसाल पेश की है। उन्होंने बिना नाम लिए कांग्रेस नेता रॉबर्ट वाड्रा के रिश्तेदारों के बयानों पर भी नाराजगी जताई और कहा कि ऐसे बयान पाकिस्तान द्वारा प्रचार का हथियार बन जाते हैं। महाना ने दो टूक कहा कि जो लोग धर्म पूछकर हत्या की घटनाओं पर सवाल उठाते हैं, वे देश के दुश्मनों का साथ दे रहे हैं।

सार संक्षेप

दिल्ली में अब भी 30 साल पुरानी पाइपलाइन : रेखा गुप्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। रेखा गुप्ता ने जल संकट, पुरानी पाइपलाइन और अनधिकृत कॉलोनियों में सीवेज सुविधा की कमी पर चिंता जताई।

आतंक पीड़ितों को मिलेगी मुफ्त शिक्षा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के बच्चों को लखनऊ विश्वविद्यालय मुफ्त शिक्षा और आवास सुविधा देगा।

बांग्लादेशी घोटाला : दो दर्जन लोग फरार : किरीट सोमैया

यूनिक समय, नई दिल्ली। मालेगांव में जन्म प्रमाण पत्र घोटाले में 24 लोग फरार, आतंकी कनेक्शन की जांच जारी।

हम अपने घर वापस जाना चाहते हैं : पाकिस्तानी नागरिक

यूनिक समय, नई दिल्ली। बारामुल्ला में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों ने देश निकाले के आदेश पर नाराज़गी जताई, कहा हम आतंकवादी नहीं।

सीएम धामी ने गंगोत्री धाम में पूजा की

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय तृतीया पर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, सीएम धामी ने पूजा की।

अमित शाह पहुंचे पीएम मोदी के आवास

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 7 एलकेएम, प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे।

तमिलनाडु पटाखा गोदाम में विस्फोट, जांच जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। विरुधुनगर जिले में अवैध पटाखा गोदाम में विस्फोट हुआ, प्रशासन ने जांच शुरू की।

अखनूर में हुई फायरिंग, सेना सतर्क

यूनिक समय, नई दिल्ली। नियंत्रण रेखा पर पाक सेना ने सुंदरबनी और अखनूर सेक्टर में फायरिंग की।

जूनागढ़ में 59 अवैध अतिक्रमण हटाए गए

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऊपरकोट किले के आसपास 59 अवैध निर्माण गिराए गए, पूर्व सूचना के बावजूद नहीं हटाए गए थे।

कोलकाता होटल अग्निकांड : 14 शव मिले

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता में होटल में आग लगने से 14 की मौत, राहत और बचाव कार्य जारी।

सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में जनसुनवाई की

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी ने जनता से सीधा संवाद कर शिकायतें सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया।

भारतीय सेना पूरी ताकत से देगी मुंहतोड़ जवाब

कार्रवाई के डर से पाकिस्तानी सैनिक बंकरों में छुपे

झंडे तक हटा लिए

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुलवामा जैसे संवेदनशील पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारतीय सेना की सख्त कार्रवाई और जवाबी हमलों के बाद पाकिस्तान में खौफ का माहौल है। पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के आसपास अपने सैनिकों को बंकरों में छुपा दिया है और बंकरों के ऊपर से अपने राष्ट्रीय झंडे तक हटा लिए हैं। इंडिया टीवी को कोट सेक्टर की एक्सक्लूसिव तस्वीरें मिली हैं, जिनमें पाकिस्तानी बंकर खाली दिख रहे हैं या उनमें महज 1-2 सैनिक मौजूद हैं।

सीमा पर पाकिस्तान की ओर से लगातार सीजफायर उल्लंघन और फायरिंग की जा रही है, लेकिन भारतीय सेना पूरी ताकत से मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

भारतीय फौज "लॉक्ड, लोडेड और रेडी" की स्थिति में है और फाइनल ऑर्डर का इंतजार कर रही है। भारत की इस सैन्य तैयारियों को देख पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुआ है। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना अब बंकरों के आसपास स्थानीय नागरिकों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है, जिससे उसकी मंशा और डर दोनों उजागर हो रहे हैं।

पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसे "विश्वसनीय खुफिया जानकारी" मिली है कि भारत अगले 24 से 36 घंटों में सैन्य कार्रवाई कर सकता है। यह बयान उसकी घबराहट को साफ दर्शाता है। भारत की सैन्य और राजनीतिक दृढ़ता ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह आतंकी हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। सेना पूरी तरह तैयार है और देश के जांबाज़ जवान मोर्चे पर डटे हुए हैं।

हमले के डर में पाकिस्तान, इस्लामाबाद और लाहौर को बनाया नो-फ्लाई जोन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत से संभावित हमले की आशंका ने पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इसी डर के चलते पाकिस्तान सरकार ने देश के दो प्रमुख शहरों – इस्लामाबाद और लाहौर को अस्थायी रूप से नो-फ्लाई जोन घोषित कर दिया है। यह कदम सुरक्षा कारणों के चलते उठाया गया है, जिसमें सभी प्रकार के विमानों की आवाजाही पर 2 मई तक रोक लगा दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने "नोटम" जारी कर इन दोनों शहरों के ऊपर हवाई क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया है। इस बीच, पाकिस्तानी सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने आधी रात को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि उन्हें खुफिया रिपोर्ट मिली है, जिसके अनुसार भारत अगले 24 से 36 घंटों के भीतर कोई सैन्य कार्रवाई कर सकता है।हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसमें हुई नागरिकों की हत्या के बाद भारत में गुस्सा है। इस हमले की जिम्मेदारी जिस संगठन पर मढ़ी जा रही है, उसके संबंध पाकिस्तान से बताए जा रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान को यह आशंका सता रही है कि भारत उसकी धरती पर सर्जिकल स्ट्राइक या हवाई हमला कर सकता है। जिसके कारण इस्लामाबाद और लाहौर को नो-फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में सेना और रक्षा अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की थी, जिसमें उन्हें किसी भी आवश्यक कार्रवाई की खुली छूट दी गई है। भारत द्वारा नियंत्रण रेखा पर लगातार की जा रही जवाबी कार्रवाई ने पाकिस्तान को सतर्क कर दिया है।

इस सुरक्षा संकट के बीच पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहानुभूति और समर्थन की अपील भी कर रहा है, यह कहते हुए कि वह खुद भी लंबे समय से आतंकवाद का शिकार रहा है और हिंसा की निंदा करता आया है।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

जातिगत जनगणना की पूरी तरह मंजूरी

गन्ना किसानों को राहत और पूर्वोत्तर में नया कॉरिडोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली कैबिनेट बैठक थी। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिनमें जातिगत जनगणना, गन्ना किसानों के लिए राहत और पूर्वोत्तर भारत के विकास से जुड़े निर्णय शामिल हैं।

सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ी सौगात देते हुए गन्ने की एफआरपी को 355 रुपये प्रति क्विंटल करने का फैसला लिया है। यह मूल्य किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए बढ़ाया गया है, जिससे लगभग 5 करोड़ गन्ना किसानों और उनके परिवारों को सीधा लाभ होगा।

कैबिनेट ने एक और बड़ा फैसला जातिगत जनगणना को लेकर लिया। अब यह जनगणना 2026 में प्रस्तावित राष्ट्रीय जनगणना के साथ ही की जाएगी। यह कदम सामाजिक न्याय और योजनाओं के लक्ष्य निर्धारण में अहम भूमिका निभाएगा।

इसके अलावा, मेघालय से असम तक एक नया कॉरिडोर बनाने को मंजूरी दी गई है। इस 166 किलोमीटर लंबे हाईवे के लिए 22,000 करोड़ रुपये से अधिक का बजट स्वीकृत किया गया है, जिससे पूर्वोत्तर राज्यों में कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बल मिलेगा। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह केवल सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी, जिसमें पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। भारत ने इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए, जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना और पाकिस्तानी सामग्री पर प्रतिबंध लगाना शामिल है।

एक्ट्रेस नेहा मलिक के घर में नौकरानी ने की 34 .49 लाख रुपये की चोरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक्ट्रेस और मॉडल नेहा मलिक के घर से लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। नेहा मलिक की मां, मंजू मलिक ने अपनी नौकरानी पर 34.49 लाख रुपये के गहनों की चोरी का आरोप लगाया है। घटना के बाद अंबोली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया और चोरी के गहने भी बरामद कर लिए।

मंजू मलिक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घटना शुक्रवार को उस समय हुई जब वह गुरुद्वारे माथा टेकने गई थीं और घर को नौकरानी के भरोसे छोड़ गई थीं। शनिवार को जब वह काम पर नहीं आई और कई बार कॉल करने के बावजूद संपर्क नहीं हुआ, तो उन्होंने अलमारी की जांच की। इस दौरान उन्हें पता चला कि गहनों का थैला गायब है। उन्होंने यह भी बताया कि वह अपने सोने के गहने आमतौर पर बेडरूम के लकड़ी के दराज में एक थैले में रखती थीं और अक्सर उसी नौकरानी की मौजूदगी में रखे थे। घर में नौकरानी के अलावा किसी और का आना-जाना नहीं था, और गहनों के स्थान की जानकारी सिर्फ उसे ही थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने आईपीसी की धारा 406 (विश्वासघात कर संपत्ति का गबन) के तहत केस दर्ज किया और आरोपी महिला शहनाज मुस्तफा शेख को अंधेरी के जेबी नगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

हिंदुओं के नेता चिन्मय कृष्णदास जेल से रिहा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश से इस वक्त सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। हिंदुओं के नेता चिन्मय कृष्ण दास को जेल से रिहा कर दिया गया है। बांग्लादेश की अदालत ने लंबे समय से जेल में बंद चिन्मय कृष्णदास को जमानत दे दी है। चिन्मय कृष्ण प्रभु करीब 6 महीने से जेल में बंद थे। अब वह रिहा हो गए हैं। इससे बांग्लादेश समेत भारत के हिंदुओं में भी खुशी की लहर है। बता दें कि हिंदुओं के नेता चिन्मय कृष्णदास को तथाकथित राजद्रोह के आरोपों में 6 महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। इसका हिंदुओं ने जमकर विरोध किया था। चिन्मय समेत उनके सैकड़ों समर्थकों को इस मामले में आरोपी बनाकर मुकदमा दायर किया गया था। चिन्मय की गिरफ्तारी का भारत सरकार ने भी विरोध किया था।

रूस में विजय दिवस परेड में शामिल नहीं होंगे पीएम मोदी

राजनाथ सिंह को भेजा जाएगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 मई को मास्को में विजय दिवस परेड में शामिल नहीं होंगे। रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस के हवाले से ये जानकारी मिली है।

सूत्रों के हवाले से ये जानकारी मिली है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के मॉस्को में 9 मई को होने वाली विजय दिवस परेड में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है। लेकिन रूसी पक्ष को पहले ही सूचित कर दिया गया था कि भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

कांग्रेस सोशल मीडिया टीम की गलतियों से बढ़ी किरकिरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस के सोशल मीडिया डिपार्टमेंट की लगातार हो रही गलतियों ने पार्टी की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'गायब' बताने वाला एक पोस्ट पार्टी को भारी पड़ गया और उसे डिलीट करना पड़ा। यह कोई पहली घटना नहीं थी। इससे पहले भी कई बार विवादित कंटेंट हटाना पड़ा है, जिससे सोशल मीडिया टीम की विश्वसनीयता और कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

साल 2023 में कांग्रेस को एक गंभीर चूक के चलते अपनी पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के भाषण को गलत उद्धृत करने पर पोस्ट हटाना पड़ा था। कन्नाटक में दिए गए उनके भाषण को 'संप्रभुता' से जोड़कर पेश किया गया था, जिससे पार्टी को सफाई देनी पड़ी और पोस्ट हटाना पड़ा।

इसके बाद अभिनेत्री और बीजेपी की मंडी से उम्मीदवार कंगना रनौत पर की गई एक विवादास्पद पोस्ट ने भी पार्टी को असहज स्थिति में डाल दिया। 'मंडी में क्या भाव है' कैप्शन वाली पोस्ट को लेकर विभाग की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत को यह तक कहना पड़ा कि सोशल मीडिया अकाउंट का पासवर्ड कई लोगों के पास है और मामले की जांच की जा रही है।

तीसरी और सबसे ताजा चूक में पहलगाम में कांग्रेस के नैरेटिव को नुकसान पहुंचा जब प्रधानमंत्री को लेकर की गई पोस्ट ने भाजपा को पलटवार करने का मौका दे दिया। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से के.सी. वेणुगोपाल और जयराम रमेश के निर्देश पर पोस्ट हटाई गई।

इन बार-बार की गलतियों के चलते सोशल मीडिया कंटेंट हेड रणविजय सिंह और सुप्रिया श्रीनेत पार्टी नेताओं के निशाने पर हैं।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053